Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2023-25 | www.dainikvishwaparivar.com | रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 299 ● वर्ष : 13 ● रायपुर, शनिवार 02 मई 2026 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

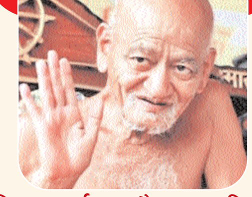

नागरिक आदर्शवान और अनुशासित होना चाहिये, हमारा देश निश्चित विकास करेगा।

Our country would Certainly develop it our citizens submit the mselves to idealism and discipline.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

जल प्रबंधन आधुनिकीकरण सिंचाई प्रणाली के निर्माण कार्य का शुभारंभ

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज जशपुर जिले के गृह ग्राम बगिया में समृद्धि कमांड क्षेत्र विकास एवं जल प्रबंधन आधुनिकीकरण (एम-कैड) योजना के अंतर्गत बगिया दाबित उद्वहन सिंचाई प्रणाली के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। इस अवसर पर केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास राज्य मंत्री तोखन साहू एवं कृषि मंत्री रामविचार नेताम सहित जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बगिया समृद्धि एम-कैड योजना केवल एक सिंचाई परियोजना नहीं, बल्कि हर बूंद से अधिक उत्पादन की सोच का सशक्त प्रतीक है। उन्होंने कहा कि इसके सफल क्रियान्वयन से जशपुर जिला देश के लिए आधुनिक दाबित सिंचाई प्रणाली का मॉडल बनेगा और किसानों को समृद्धि की नई दिशा मिलेगी। उन्होंने कहा कि इस परियोजना के तहत पारंपरिक नहर प्रणाली के स्थान पर आधुनिक प्रेसराइज्ड पाइप इरिगेशन नेटवर्क विकसित किया जाएगा। भूमिगत पाइपलाइन व्यवस्था से जल का अपव्यय रुकेगा, जल उपयोग दक्षता बढ़ेगी और भूमि अधिग्रहण की समस्या भी नहीं आएगी। अब तक वर्षा पर निर्भर रहने वाले किसानों को इस योजना से वर्षभर सिंचाई हेतु पर्याप्त जल उपलब्ध हो सकेगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बगिया समृद्धि एम-कैड योजना न केवल सिंचाई व्यवस्था को आधुनिक बनाएगी, बल्कि कृषि को तकनीक आधारित, टिकाऊ और लाभकारी दिशा में आगे बढ़ाएगी। यह परियोजना जशपुर को राष्ट्रीय स्तर पर एक मॉडल एग्री-इरीगेशन डिस्ट्रिक्ट के रूप में स्थापित करने की क्षमता रखती है। उन्होंने कहा कि यह पहल हमारे अन्नदाताओं को समृद्धि, आत्मनिर्भरता और सम्मान की नई ऊँचाइयों तक पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त करेगी। उल्लेखनीय है कि यह परियोजना कांसाबेल विकासखंड के बगिया क्लस्टर में मैनी नदी पर बगिया बैराज सह दाबित उद्वहन सिंचाई योजना के माध्यम से लागू की जा रही है। इसके तहत बगिया, उसकुटी, रजोती, सुजीबहार, चोंगरीबहार, बांसबहार, डोकड़ा, सिकरिया, पतराटोली, गहिराडोहर, बीहाबल, नरियरडांड एवं ढुढुडांड सहित 13 गांवों के लगभग 4933 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि देश के 23 राज्यों में स्वीकृत 34 एम-कैड परियोजनाओं में छत्तीसगढ़ का बगिया क्लस्टर एकमात्र चयनित परियोजना है। इसके लिए भारत सरकार द्वारा 95.89 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई है, जबकि परियोजना की कुल लागत लगभग 119 करोड़ रुपये है।

केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने कहा

यह योजना क्षेत्र के समग्र विकास का मार्ग प्रशस्त करेगी और किसानों को स्थायी आय का आधार प्रदान करेगी। कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम ने इसे किसानों के लिए आने वाले समय का वरदान बताते हुए कहा कि इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी। समृद्धि योजना के स्टेट नोडल ऑफिसर श्री आलोक अग्रवाल ने बताया कि एम-कैड कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय द्वारा अप्रैल 2025 में किया गया था। उन्होंने बताया कि यह परियोजना अगले 6 माह में पूर्ण की जाएगी और इसके संचालन एवं संधारण की जिम्मेदारी प्रारंभिक 5 वर्षों तक ठेकेदार द्वारा तथा उसके बाद जल उपभोक्ता समिति द्वारा संभाली जाएगी। इस समिति में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी भी सुनिश्चित की गई है।

जमू में बड़ा हादसाः निर्माणाधीन लाईओवर का हिस्सा गिरा

जम्मू कश्मीर। जम्मू के पास बंतलाब इलाके में शुक्रवार को एक पुल गिरने से उसके मलबे के नीचे करीब आधा दर्जन लोग फंस गए थे। शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, फंसे हुए लोगों की संख्या लगभग चार से पांच है। हताहतों के बारे में अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। मलबे को हटाने के लिए बचाव दल और मशीनरी को तुरंत काम पर लगाया गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि पुल अचानक ढह गया, जिससे लोग मलबे के नीचे दब गए और इलाके में दहशत फैल गई। मलबे को हटाने के लिए बचाव दल और मशीनरी को तुरंत काम पर लगाया गया। घटनास्थल पर बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए हैं और बचाव अभियान जारी है। फिलहाल मौके पर बचाव अभियान तेजी से जारी है और प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है. घटना से इलाके में चिंता का माहौल है. मौके पर लोगों की भारी भीड़ जुटी हुई है. पुल का एक हिस्सा गिरने के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई थी।

एग्जिट पोल फिर होंगे फेलः फारूक अद्दुल्ला

कश्मीर। नेशनल कॉन्फ्रेंस प्रमुख फारूक अब्दुल्ला ने एग्जिट पोल पर अविश्वास जताते हुए उन्हें गलत बताया. उन्होंने पीडीपी पर जम्मू-कश्मीर में आर्टिकल ×70 हटने सहित कई मुश्किलों का जिम्मेदार ठहराया. अब्दुल्ला ने ईंधन की बढ़ती कीमतों के कारण हज यात्रा के किराए में वृद्धि को लाचारी कहा और उर्दू भाषा के महत्व पर जोर दिया, कहा कि यह कभी खत्म नहीं होगी.

नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के प्रमुख फारूक अब्दुल्ला ने शुक्रवार को कहा, मैंने कभी एग्जिट पोल पर भरोसा नहीं किया. एग्जिट पोल पहले भी गलत साबित हुए हैं और मुझे उम्मीद है कि इस बार भी वे गलत साबित होंगे।

भारत की वैश्विक भागीदारी पर दिया जोर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मिशन प्रमुख सम्मेलन में लिया हिस्सा

नई दिल्ली (विश्व परिवार)। प्रधानमंत्री मोदी ने मिशन प्रमुख सम्मेलन में लिया हिस्सा, भारत की वैश्विक भागीदारी पर दिया जोर राष्ट्रीय राजधानी स्थित कृषि विज्ञान परिसर में विदेश मंत्रालय के 11वें मिशन प्रमुख सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन के अंतिम दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसमें भाग लिया और विदेशों में भारत के राष्ट्रीय हितों को बढ़ावा देने, वैश्विक भागीदारी को मजबूत करने तथा प्रवासी भारतीयों से संबंधों को और गहरा करने पर महत्वपूर्ण मार्गदर्शन दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने '2047 के लिए भारतीय कूटनीति में सुधार' विषय पर आयोजित इस सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने भविष्य के लिए तैयार कूटनीति, व्यापार, प्रौद्योगिकी और पर्यटन को बढ़ावा देने तथा भारत की वैश्विक छवि को और मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने मिशन प्रमुखों से विचार-विमर्श करते हुए भारत की अंतरराष्ट्रीय भागीदारी को और प्रभावी बनाने के सुझाव भी प्राप्त किए। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, मैंने नई दिल्ली में आयोजित मिशन प्रमुखों के सम्मेलन में भाग लिया। हमने व्यापार, प्रौद्योगिकी और रणनीतिक साझेदारियों को आगे बढ़ाकर भारत की वैश्विक भागीदारी को मजबूत करने और प्रवासी भारतीयों के साथ संबंधों को और गहरा करने पर व्यापक चर्चा की।

प्रधानमंत्री ने यह भी रेखांकित किया

इस योजना के तहत लक्षित ससिडी हस्तांतरण की व्यवस्था ने न केवल आर्थिक सहायता प्रदान की, बल्कि ग्रामीण और वंचित वर्ग की महिलाओं को सीधे लाभ पहुंचाया है। लेख में यह भी उल्लेख किया गया है कि रसोई में एलपीजी के उपयोग से घरेलू वायु प्रदूषण में कमी आई है, जिससे महिलाओं और परिवारों के स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। साथ ही, इससे जीवन स्तर में भी उल्लेखनीय सुधार देखा गया है। प्रधानमंत्री ने यह भी रेखांकित किया कि अब ध्यान एलपीजी के निरंतर उपयोग, इसकी किफायती उपलधता और ऊर्जा न्याय सुनिश्चित करने पर केंद्रित है, ताकि इस योजना का लाभ और अधिक प्रभावी ढंग से समाज के सभी वर्गों तक पहुंच सके।

प्रधानमंत्री उवला योजना पर पीएम मोदी का संदेश

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान द्वारा लिखित एक लेख साझा किया है, जिसमें प्रधानमंत्री उवला योजना के महिलाओं के सशक्तिकरण और स्व'छ ऊर्जा आधारित रसोई व्यवस्था पर पड़े प्रभाव को विस्तार से बताया गया है। नरेन्द्र मोदी ने कहा कि इस लेख में एक महत्वपूर्ण बदलाव की रूपरेखा प्रस्तुत की गई है, जिसमें महिलाओं को केवल नीति की लाभार्थी नहीं, बल्कि उसके आरंभिक बिंदु के रूप में देखा गया है। यह दृष्टिकोण महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक नया नजरिया प्रस्तुत करता है। धर्मेंद्र प्रधान द्वारा लिखे गए इस लेख में बताया गया है कि प्रधानमंत्री उवला योजना ने एलपीजी कवरेज का विस्तार कर देशभर में 10 करोड़ से अधिक महिलाओं तक स्व'छ ईंधन की पहुंच सुनिश्चित की है।

सुवेंदु अधिकारी कोलकाता के स्ट्रॉन्ग रूम में पहुंचे

पश्चिम बंगाल में 15 बूथों पर वोटिंग आज

कोलकाता (विश्व परिवार)। भवानीपुर के मतगणना केंद्र सखावत मेमोरियल स्कूल के बाहर टीएमसी के प्रदर्शन के बाद सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। भाजपा नेता और भवानीपुर से उम्मीदवार सुवेंदु अधिकारी अपने एजेंट के साथ कोलकाता के सखावत मेमोरियल स्कूल के स्ट्रॉन्ग रूम में पहुंचे वोटिंगहैं। वे यहां करीब 10 मिनट रुके। इसी स्ट्रॉन्ग रूम में गुरुवार रात को सीएम और भवानीपुर से ञस्ष्ट कैंडिडेट ममता बनर्जी 4 घंटे बैठी रही थीं। वहीं चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल के 15 बूथों पर शनिवार को दोबारा वोटिंग कराने का फैसला किया है। दरअसल 29 अप्रैल को दूसरे फेज की वोटिंग के दौरान डायमंड हार्बर के 4 और मगराहट पश्चिम के 11 बूथों पर हिंसा, ईवीएम से छेड़छाड़ और झड़प हुई थी। उधर, कोलकाता के सात ईवीएम स्ट्रॉन्गरूम में सिक्योरिटी सख्त कर दी गई है। पुलिस ने 200 मीटर के दायरे में 5 या उससे 'यादा लोगों के इकठ्ठा होने पर रोक लगा दी है। सेंट्रल ऑर्म्ड पुलिस फोर्सेस की करीब 700 कंपनियां तैनात की गई हैं। प्रशासन ने यह फैसला खुदीराम अनुशीलन केंद्र के स्ट्रॉन्ग रूम के बाहर गुरुवार रात टीएमसी और भाजपा कार्यकर्ताओं के 5 घंटे विरोध-प्रदर्शन के बाद लिया गया है। दरअसल टीएमसी ने गुरुवार रात चुनाव अधिकारियों पर बिना सूचना दिए ईवीएम स्ट्रॉन्ग रूम खोलने, ईवीएम से छेड़छाड़ और वहां संदिग्ध लोग मौजूद होने के आरोप लगाए थे।

बंगाल में चुनाव नतीजों से पहले हाई अलर्ट

नई दिल्ली (विश्व परिवार)। 4 मई को होने वाली मतगणना को लेकर आयोग ने साफ कर दिया है कि किसी भी तरह की गड़बड़ी या हिंसा बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसी वजह से सुरक्षा और निगरानी के ऐसे इंतजाम किए गए हैं, जो पहले कम ही देखने को मिले हैं। 294 विधानसभा सीटों के लिए तैनात सभी जनरल ऑब्जर्वरों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि वे मतगणना शुरू होने से पहले ही अपने-अपने केंद्रों पर मौजूद रहें। इतना ही नहीं, जीत का प्रमाण पत्र उम्मीदवार को सौंपे जाने तक उनकी जिम्मेदारी बनी रहेगी। आयोग ने साफ किया है कि किसी भी तरह की गड़बड़ी के लिए ऑब्जर्वर भी जवाबदेह होंगे। रा'य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के दफ्तर के मुताबिक, ऑब्जर्वरों को हर गतिविधि की जानकारी लगातार देनी होगी।

मुयमंत्री साय ने विशेष सत्र आयोजित करने के लिए विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के प्रति किया आभार प्रकट

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा है कि मातृशक्ति उनके लिए केवल सम्मान का विषय नहीं, बल्कि सृजन, संस्कार और सामर्थ्य की आधारशिला है। इसी भावना के साथ छत्तीसगढ़ विधानसभा में महिलाओं के समग्र विकास और सशक्तिकरण से जुड़े महत्वपूर्ण विषय पर एक दिवसीय विशेष सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें संसद एवं देश की सभी विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक तिहाई आरक्षण लागू करने के संकल्प पर व्यापक चर्चा हुई। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में महिलाओं के सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण की जो मजबूत नींव रखी गई है।

कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर हुआ महंगा

नई दिल्ली (विश्व परिवार)। तेल विपणन कंपनियों ने शुक्रवार को 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 99 रुपए की बड़ी बढ़ोतरी की है। यह वृद्धि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऊर्जा कीमतों में आई तेजी के कारण की गई है। हालांकि घरेलू उपभोक्ताओं को इस बार भी राहत दी गई है और उनके सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की नई कीमत अब ×,071.5 रुपए हो गई है। कीमतों में इस तेज बढ़ोतरी का असर मुख्य रूप से होटल, रेस्टोरेंट और अन्य व्यावसायिक उपभोक्ताओं पर पड़ेगा। सरकारी तेल कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड ने स्पष्ट किया है कि देश के करीब ×× करोड़ घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं के लिए कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। सूचना के अनुसार, 28 फरवरी के बाद से यह तीसरी बार है जब कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम बढ़ाए गए हैं। इससे पहले मार्च की शुरुआत में करीब 115 रुपए की बढ़ोतरी की गई थी, इसके बाद 1 अप्रैल को लगभग 200 रुपए की वृद्धि दर्ज की गई, और अब एक बार फिर 99× रुपए का बड़ा इजाफा किया गया है। आईओसीएल ने यह भी बताया कि वैश्विक ऊर्जा कीमतों में उतार-चढ़ाव के बावजूद पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

नितिन गडकरी ने शुरू की नई टोल तकनीक, बिना रुके होगा भुगतान

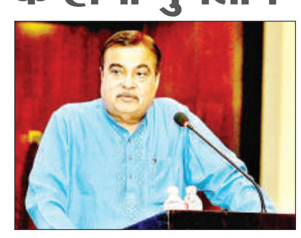

नई दिल्ली (विश्व परिवार)। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने गुजरात में नेशनल हाईवे-48 के सूरत-भरूच खंड पर स्थित चोरायासी टोल प्लाजा पर देश की पहली मल्टी-लेन फ्री फ्लो बैरियर-रहित टोलिंग प्रणाली का शुभारंभ किया। यह नई तकनीक वाहनों को बिना रुके टोल भुगतान की सुविधा देती है। इस अत्याधुनिक प्रणाली में ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन और तकनीक का उपयोग किया गया है। इससे वाहनों को टोल प्लाजा पर रुकने की आवश्यकता नहीं होगी और टोल संग्रह पूरी तरह स्वचालित तरीके से होगा। एमएलएफएफ प्रणाली को भारत के टोलिंग इकोसिस्टम के डिजिटलीकरण और राष्ट्रीय राजमार्गों के आधुनिकीकरण की दिशा में एक बड़ा मील का पत्थर माना जा रहा है। इससे न केवल यात्रा का समय कम होगा, बल्कि ट्रैफिक जाम में कमी आएगी और टोल संचालन अधिक पारदर्शी बनेगा।

कांग्रेस के प्रभारी सचिन पायलट ने राजीव भवन में लिया तीन महत्वपूर्ण बैठकें

महिला आरक्षण पर भाजपा को बेनकाब करने कांग्रेस प्रदेश, जिलों, लाकों में करेगी कार्यक्रम

रायपुर (विश्व परिवार)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं छत्तीसगढ़ प्रभारी सचिन पायलट ने राजीव भवन में तीन महत्वपूर्ण बैठकें पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, प्रभारी सचिव गण एस सम्पत, जरिता लैतफलांग, विजय जांगिड़, पूर्व उप मुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव, वरिष्ठ नेता ताम्रध्वज साहू की उपस्थिति में लिया। पहली बैठक कांग्रेस के विधायकों की हुई। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं छत्तीसगढ़ प्रभारी सचिन पायलट ने विधायकों से उनके क्षेत्र की समस्याओं, मुद्दों और सांगठनिक गतिविधियों के बारे में चर्चा किया। दूसरी बैठक जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्षों तथा तीसरी बैठक ब्लाक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्षों की हुई। इस बैठक में नगर, ब्लाक एवं मंडल कमेटी की गठन की समीक्षा, कांग्रेस ग्राम पंचायत कमेटी, वार्ड एवं बूथ कमेटी गठन की समीक्षा, भाजपा द्वारा महिला आरक्षण को लेकर फैलाये जा रहे झूठ, भ्रम के खिलाफ आंदोलन की रणनीति पर चर्चा, भाजपा सरकार के नाकामियों एवं वादाखिलाफी को जन-जन तक पहुंचाने के कार्ययोजना पर चर्चा की गयी। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं छत्तीसगढ़ प्रभारी सचिन पायलट ने कहा कि महिला आरक्षण तो सितंबर 2023 में पारित हो चुका है, भाजपा महिलाओं को आरक्षण नहीं देना चाहती वह अपनी राजनैतिक सुविधा के अनुसार परिसीमन चाहती है। आज वे महिला आरक्षण 2023 को लागू करे। कांग्रेस और पूरा विपक्ष साथ देगा। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण पर भाजपा के झूठ को बेनकाब करने कांग्रेस वार्डों, ब्लाको, जिलों और प्रदेश में कार्यक्रम करेगी तथा हमें जनता को सच्चाई बताना है। उन्होंने महिला आरक्षण पर कार्यक्रम की रूपरेखा शीघ्र बनाने के निर्देश भी प्रदेश कांग्रेस को दिया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने बैठक में पिछले माह के कार्यो तथा सांगठनिक गतिविधियों तथा संगठन सृजन के बारे में विस्तृत प्रतिवेदन दिया तथा उन्होंने जिला, ब्लाक कार्यकारिणी तथा बूथ एवं ग्राम कमेटियों के गठन की जानकारी बैठक में रखी तथा प्रदेश कांग्रेस के कार्यक्रमों तथा गतिविधियों के बारे में जानकारी दिया। उन्होंने सभी जिला अध्यक्षों, ब्लाक अध्यक्षों को पीसीसी के द्वारा दिये गये टारगेट समय पर पूरा करने का निर्देश भी दिया। नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा कि महिला आरक्षण के संबंध में विधानसभा में कांग्रेस विधायकों द्वारा किस प्रकार से भाजपा के दुष्प्रचार को बेनकाब किया उसकी जानकारी दी तथा जिला एवं ब्लाक अध्यक्षों को इसको आगे बढ़ाने को कहा। पूर्व उप मुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव, पूर्व मंत्री ताम्रध्वज साहू ने भी अपने विचार रखते हुए महिला आरक्षण पर भाजपा के दुष्प्रचार का जवाब निचले स्तर तक ले जाने की बात कही।

भारतीय तटरक्षक बल और फिनकैंटिएरी के बीच सहयोग पर चर्चा

नई दिल्ली (विश्व परिवार)। भारतीय तटरक्षक बल ने नई दिल्ली स्थित मुख्यालय में इटली की प्रमुख शिपबिल्डिंग कंपनी फिनकैंटिएरी के वरिष्ठ प्रतिनिधियों के साथ उ'चस्तरीय बैठक की। इस दौरान भविष्य की परियोजनाओं के लिए भारतीय शिपयार्ड्स के साथ सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की गई। बैठक में उन्नत डिजाइन विशेषताओं पर विशेष ध्यान दिया गया, जिनमें खराब समुद्री परिस्थितियों के लिए मजबूत हल, बेहतर बॉलार्ड पुल, एकीकृत अग्निशमन प्रणाली और हाइब्रिड/इलेक्ट्रिक प्रोपल्शन शामिल हैं।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./31013/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2026
रायपुर दिनांक : 01-05-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 31013
वार्ड का नाम- 27- शहीद हेमू कालाणी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 27 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR737E00158** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **JAPVEER SINGH, PARAMVEER SINGH** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE BHUPENDRA SINGH AGRAWAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. गुरप्रित कौर गरेवाल पति स्व. जपबीर सिंह गरेवाल 2. गुरेक सिंह गरेवाल पिता स्व. जपबीर सिंह गरेवाल 3. जयबीर सिंह गरेवाल पिता स्व. जपबीर सिंह गरेवाल** पिता/पति, श्री/श्रीमती ... ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **वंशानुक्रम**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./31008/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2026
रायपुर, दिनांक 01-05-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 31008
वार्ड का नाम-33 - शहीद वीर नारायण सिंह वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 33 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR328D00106** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SUDHIR DUBEY** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O BABU LAL DUBEY** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **LUCKY SHADIJA** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O SHANKAR LAL SHADIJA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./30919/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2026
रायपुर, दिनांक 01-05-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 30919
वार्ड का नाम-48 - गुरूघासी दास वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 48 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR443B0211A** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **HARPAL SINGH** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O GURUCHARAN SINGH** के नाम से दर्ज है, जिसको **श्री/श्रीमती श्रीमती पूजा भागल पिता/पति श्री/श्रीमती पति- श्री हरप्रीत सिंह गुम्बर** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **मलमा बिक्रीनामा**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
ई–मेल:– rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं. /30934/ न.पा.नि./ जोन क्रं. 9/2026
रायपुर दिनांक 30/04/2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 30934
वार्ड का नाम - 8- महात्मा गांधी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 8 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR226100316** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MOHAMMAD AFAJAL S/O MOHAMMAD AYUSH, ATIYA ANJUM W/O JANAB SHEK SALEEM** पिता/पति श्री/श्रीमती **1. MOHAMMAD AYUSH 2 JANAB SHEK SALEEM** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती बबिता अग्रवाल पिता / पति श्री/श्रीमती प्रदीप अग्रवाल ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख/ वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्र.9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
ई–मेल:– rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं. /30942/ न.पा.नि./ जोन क्रं. 9/2026
रायपुर दिनांक 30/04/2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 30942
वार्ड का नाम - 8- महात्मा गांधी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 8 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR226Z00438** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **CHANCHAL KUMAR** पिता/पति श्री/श्रीमती **RABINDRA SINGH** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती टुकेश्वरी हीरवानी पिता / पति श्री/श्रीमती हितेंद्र हीरवानी ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख/ वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्र.9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
ई–मेल:– rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं. /30949/ न.पा.नि./ जोन क्रं. 9/2026
रायपुर दिनांक 30/04/2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 30949
वार्ड का नाम - 8- महात्मा गांधी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 8 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR226100764** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **KULDEEP KAUR BAGGA** पिता/पति श्री/श्रीमती ... के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती हुकुम सिंह बग्गा पिता / पति श्री/श्रीमती स्व हरबंस सिंह बग्गा ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख/ वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्र.9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
ई–मेल:– rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं. /30946/ न.पा.नि./ जोन क्रं. 9/2026
रायपुर दिनांक 30/04/2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 30946
वार्ड का नाम - 8- महात्मा गांधी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 8 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR226J00526** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **P. M. SURJIT** पिता/पति श्री/श्रीमती **LATE P. K. MADHAVAN** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती रामभक्त शुक्ला पिता / पति श्री/श्रीमती कृष्णा प्रशाद शुक्ला ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख/ वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्र.9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
ई–मेल:– rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं. /30951/ न.पा.नि./ जोन क्रं. 9/2026
रायपुर दिनांक 30/04/2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 30951
वार्ड का नाम - 8- महात्मा गांधी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 8 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR226100765** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **KULDEEP KAUR BAGGA, S. JASMEET BAGGA** पिता/पति श्री/श्रीमती ... के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती एस जसमीत सिंह बग्गा पिता / पति श्री/श्रीमती हुकुम सिंह बग्गा ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख/ वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्र.9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.- 2)
शहीद स्मारक स्कूल भवन फाफाडीह, रायपुर
Email ID-rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./31043/ न. पा. नि. जोन क्र. 2/2026
रायपुर, दिनांक 01-05-2026

ईश्तहार

नामंतरण प्र.क्रं. 31043
वार्ड का नाम 14 – रमण मंदिर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 14 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR221A00383 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती AKASH VYAS पिता/पति श्री श्रीमती JUGAL KISHOR VYAS के नाम से दर्ज है जिसको श्री /श्रीमती श्री घनश्याम प्रसाद तिवारी पिता / पति श्री श्रीमती श्री भगवती प्रसाद तिवारी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

"सूचना जारी करे"
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.- 10)
अमलीडीह पानी टंकी , रायपुर
Email ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्रं. /30784/ न. पा. नि. जोन क्रं. 10/2026
रायपुर, दिनांक 01-05-2026

ईश्तहार

नामतरण प्र.क्रं. 30784
वार्ड का नाम 52 डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 52 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR446L0532C जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती VICKY CHEEJWANI पिता/पति श्री/श्रीमती CHANDRA KUMAR CHEEJWANI के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती CHITRASEN SAHU पिता/पति श्री/श्रीमती SANTOSH SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार /पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे 7 निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

"सूचना जारी करे"
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.- 10)
अमलीडीह पानी टंकी , रायपुर
Email ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्रं. /30813/ न. पा. नि. / जोन क्रं. 10/2026
रायपुर, दिनांक 01-05-2026

ईश्तहार

नामंतरण प्र.क्रं. 30813
वार्ड का नाम 56 ले. अरविंद दीक्षित वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 56 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR446H00169 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती Lakhan Patel पिता / पति श्री/श्रीमती Balram Patel के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती Bhushan lal sahu पिता / पति श्री/श्रीमती Babulal sahu** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / मलमा बिक्रि नामा के व सपथ पत्र / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी 7 जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

"सूचना जारी करे"
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.- 10)
अमलीडीह पानी टंकी , रायपुर
Email ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्रं. /30757/ न. पा. नि. / जोन 10/2026
रायपुर, दिनांक 01-05-2026

ईश्तहार

नामतरण प्र.क्रं. 30757
वार्ड का नाम 54 कामरेड सुधीर मुखर्जी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 54 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR652M02448 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती TIKESHWAR SAHU पिता / पति श्री/श्रीमती RAMESHWAR SAHU के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती ANITA YADAV पिता / पति श्री/श्रीमती PITAMBAR YADAV** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख /वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

"सूचना जारी करे"
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.- 10)
अमलीडीह पानी टंकी , रायपुर
Email ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्रं./30718/ न. पा. नि. / जोन क्रं. 10/2026
रायपुर, दिनांक 01-05-2026

ईश्तहार

नामतरण प्र.क्रं 30718
वार्ड का नाम 52 डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 52 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR446NA0019 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती HEENA AVINASH KUKREJA पिता/पति श्री/श्रीमती AVINASH PURANLAL KUKREJA के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती ABHISHEK KUMAR CHOUDHARY पिता / पति श्री/श्रीमती BRIJNAND CHOUDHARY** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

धमतरी में सिन्हा समाज के नवीन भवन का भूमि पूजन संपन्न, 30 लाख की लागत से होगा निर्माण

धमतरी। शहर में सिन्हा समाज के लिए एक महत्वपूर्ण पहल के तहत नवीन समाज भवन का भूमि पूजन 1 मई शुक्रवार को विधिवत संपन्न हुआ। लगभग 30 लाख रुपए की लागत से बनने वाला यह भवन समाज के विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक एवं पारिवारिक आयोजनों के लिए उपयोगी साबित होगा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जगदीश रामू रोहरा, महापौर नगर पालिका निगम धमतरी रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संतोष कुमार सिन्हा, मंडलेश्वर कलार समाज धमतरी ने की। विशिष्ट अतिथियों में कौशल्या देवांगन, सभापति नगर पालिका निगम धमतरी, विजय मोटवानी एमआईसी प्रभारी, पार्षद संतोष सोनकर, मेघराज ठाकुर, आशा लोधी, विभा चन्द्राकर, चंद्रहास सिन्हा जिला अध्यक्ष कलार समाज, रामसेवक सिन्हा प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य शामिल रहे। इस अवसर पर महापौर रामू रोहरा ने कहा कि समाज भवन के निर्माण से सामाजिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी और समाज के लोगों को एक सशक्त मंच प्राप्त होगा। उन्होंने समाज के पदाधिकारियों की सराहना करते हुए आश्वस्त किया कि नगर निगम द्वारा हरसंभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। अध्यक्षता कर रहे संतोष कुमार सिन्हा ने अपने उद्बोधन में कहा कि सिन्हा समाज लगातार समाज विकास के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभा रहा है और यह भवन उस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

कार्यक्रम में कलार समाज के संजु कामता सिन्हा (प्रांतीय कोषाध्यक्ष महिला मंच), हितेश्वरी सिन्हा (महिला प्रमुख), प्रियंका सिन्हा (महिला मोर्चा मंत्री भाजपा), श्रीराम जी सिन्हा (संरक्षक), हेमशंकर सिन्हा (कोषाध्यक्ष), नारायण सिन्हा, दयाराम सिन्हा, भुवन लाल सिन्हा, ज्ञानचंद सिन्हा, विकास सिन्हा, राम किशुन सिन्हा, हरिनाथ सिन्हा, परशादी राम सिन्हा, देवराम, गजेन्द्र लतखोर सिन्हा, भागवत सिन्हा, दानेश्वर सिन्हा, गोविंद सिन्हा सहित समाज के अनेक गणमान्य सदस्य एवं समाजसेवक निखिल सिन्हा उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन यशवंत सिन्हा, सचिव धमतरी मंडल कलार समाज ने किया।

मज़दूर दिवस पर कंडेल में श्रम शक्ति का सम्मान

धमतरी। मज़दूर दिवस के अवसर पर शुक्रवार को नगर निगम के उपनेता प्रतिपक्ष सत्येंद्र विशु देवांगन ने गौरव ग्राम कंडेल पहुंचकर मजदूरों और किसानों के साथ बैठकर पारंपरिक बोरे बासी का सेवन किया। इस अवसर पर उन्होंने मेहनतकश वर्ग के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए 'श्रम शक्ति' को नमन किया। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी और तपती धूप के बीच जब आम जनजीवन प्रभावित होता है, तब मजदूर और किसान अपने पसीने से धरती को सींचते हैं।

तेज रफ्तार ट्रक ने डिलीवरी बॉय को कुचला, मौके पर मौत

बलरामपुर। जिले के वाड्रफनगर में शुक्रवार को हुए भीषण सड़क हादसे ने एक युवा की जिंदगी छीन ली। डिलीवरी का काम कर रहे युवक को सामने से आ रही तेज रफ्तार ट्रक ने इतनी जोरदार टक्कर मारी कि उसने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। मिली जानकारी के अनुसार, बलरामपुर जिले के वाड्रफनगर पुलिस चौकी क्षेत्र के अंबेडकर चौक के पास शुक्रवार को दर्दनाक हादसा हुआ, जहां बाइक सवार एक युवक ट्रक की चपेट में आ गया।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.- 9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
Email ID-rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं./30867/न. पा. नि. जोन क्रं. 9/2026
रायपुर, दिनांक 30-04-2026

ईश्तहार

नामंतरण प्र.क्रं. 30867
वार्ड का नाम 8– महात्मा गांधी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 8 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR226Z00641 जो की निगम **अभिलेख श्री / श्रीमती KEVAL KISHAN DHUPPAD** पिता/पति श्री श्रीमती LATE HARBHAGWAN DAS DHUPPAD के नाम से दर्ज है जिसको **श्री / श्रीमती 1. तनय अग्रवाल 2. मनय अग्रवाल पिता/पति श्री/श्रीमती स्व. मनोज अग्रवाल** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख /वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

"सूचना जारी करे"
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर) जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.- 9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
Email ID-rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं./30869/ न. पा. नि. जोन क्रं. 9/2026
रायपुर, दिनांक 30-04-2026

ईश्तहार

नामंतरण प्र.क्रं. 30869
वार्ड का नाम 8– महात्मा गांधी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 8 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR226Z00643** जो की निगम अभिलेख **श्री / श्रीमती** KEVAL KISHAN DHUPPAD **पिता/पति श्री श्रीमती** LATE HARBHAGWAN DAS DHUPPAD के नाम से दर्ज है जिसको **श्री / श्रीमती 1. तनय अग्रवाल 2. मनय अग्रवाल पिता/पति श्री/श्रीमती स्व. मनोज अग्रवाल** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख /वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

"सूचना जारी करे"
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर) जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.- 9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
Email ID-rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं./30868/न. पा. नि. जोन क्रं.9/2026
रायपुर, दिनांक 30-04-2026

ईश्तहार

नामंतरण प्र.क्रं. 30868
वार्ड का नाम 8 महात्मा गांधी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 8 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR226Z00642** जो की निगम अभिलेख **श्री / श्रीमती KEVAL KISHAN DHUPPAD पिता/पति श्री श्रीमती LATE HARBHAGWAN DAS DHUPPAD** के नाम से दर्ज है जिसको **श्री श्रीमती 1. तनय अग्रवाल 2. मनय अग्रवाल पिता/पति श्री श्रीमती स्व. मनोज अग्रवाल** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख । वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

"सूचना जारी करे"
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर) जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.- 10)
अमलीडीह पानी टंकी , रायपुर
Email ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्रं./30926/ न. पा. नि. / जोन क्रं.10 / 2026
रायपुर, दिनांक 01-05-2026

ईश्तहार

नामंतरण प्र.क्रं. 30926
वार्ड का नाम 52 डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 52 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR446M0872A** जो की निगम अभिलेख **श्री / श्रीमती AARTI DEEPAK KUNDNANI पिता/पति श्री/श्रीमती KARAN PURAN LAL KUNDNANI के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती SHAKUNTALA SORI पिता / पति श्री/श्रीमती VISHAL SINGH** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

"सूचना जारी करे"
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.- 10)
अमलीडीह पानी टंकी , रायपुर
Email ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्रं./30788/ न. पा. नि. / जोन क्रं.10/2026
रायपुर, दिनांक 01-05-2026

ईश्तहार

नामंतरण प्र.क्रं. 30788
वार्ड का नाम 52 डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 52 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR446J0515C** जो की निगम **अभिलेख श्री / श्रीमती KAILASH CHANDRA GUPTA पिता/पति श्री/श्रीमती BALDEV GUPTA** के नाम से दर्ज है जिसको **श्री / श्रीमती RAJESH GUPTA पिता / पति श्री/श्रीमती SW. KAILSAH CHANDRA GUPT** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार /तहसील आदेश एवं मृत्यु प्रमाण पत्र / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी 7 जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

"सूचना जारी करे"
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.- 10)
अमलीडीह पानी टंकी , रायपुर
Email ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्रं./30758/ न. पा. नि. / जोन क्रं.10/2026
रायपुर, दिनांक 01-05-2026

ईश्तहार

नामतरण प्र.क्रं. 30758
वार्ड का नाम 54 कामरेड सुधीर मुखर्जी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 54 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी RPR652M1999G जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **1.SATISH JAIN, w. SANSKAR JAIN** पिता / पति श्री/श्रीमती **D.C.JAIN, I.K.JAIN के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती PRAVEEN BANO** पिता / पति श्री/श्रीमती **MARHOOM SAIYYAD AABID ALI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी 7 जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

"सूचना जारी करे"
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.- 10)
अमलीडीह पानी टंकी , रायपुर
Email ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्रं./30781/ न. पा. नि./ जोन क्रं. – 10/2026
रायपुर, दिनांक 01-05-2026

ईश्तहार

नामतरण प्र.क्रं. 30781
वार्ड का नाम 50 पं. विद्याचरण शुक्ल वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 50 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR446P0481A जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **KAVITA THARWANI** पिता/पति श्री/श्रीमती **LATE. LAXMI CHAND के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती NIKHIL PAHUJA पिता / पति श्री/श्रीमती LATE DINESH PAHUJA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / **पंजीकृत विक्रय विलेख** /वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

"सूचना जारी करे"
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.- 3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
Email ID-rmczone3@gmail.com

पत्र क्रं./31008/ न. पा. नि. / जोन क्रं. 3/2026
रायपुर, दिनांक 01-05-2026

ईश्तहार

नामतरण प्र.क्रं. 31008
वार्ड का नाम 33 शहीद वीरनारायण सिंह वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 33 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR328D00106 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती SUDHIR DUBEY पिता/पति श्री/श्रीमती S/O BABU LAL DUBEY के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती LUCKY SHADIJA पिता/पति श्री/श्रीमती S/O SHANKAR LAL SHADIJA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा /आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

"सूचना जारी करे"
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

सुशासन तिहार जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन

कलेक्टर एस. जयवर्धन ने समस्याओं का किया मौके पर निराकरण

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- सुशासन तिहार के अंतर्गत आज जिले के भैयाथान जनपद अंतर्गत ग्राम खोपा में जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन की उपस्थिति में आयोजित इस शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने पहुंचकर अपनी समस्याएं एवं शिकायतें दर्ज कराईं।

कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन द्वारा लोगों से संवाद कर उनकी समस्याओं एवं शिकायतों को सुना गया। शिविर में जिलाधिकारियों द्वारा अपने-अपने विभाग की योजनाओं की विस्तृत जानकारी भी दी गई। इस सुशासन तिहार के दौरान जनपद से शिकायतों एवं समस्याओं को लेकर 437 आवेदन प्राप्त हुए, जिसमें आज शिविर में 102 आवेदन प्राप्त हुए। कुछ आवेदनों पर तत्काल निराकरण किया गया और अन्य आवेदनों पर शीघ्र कार्यवाही पूर्ण करने के निर्देश दिए गए साथ ही कलेक्टर ने सभी लोगों से शिविर का ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाने का आग्रह किया।

इस दौरान जनपद अध्यक्ष श्रीमती शुलोचनी पैकरा, श्री ठाकुर राजवाड़े, जिला पंचायत सदस्य श्री अनुज राजवाड़े,जनपद सदस्य योगेंद्र प्रताप सिंहदेव, श्री महेंद्र सिंह मार्को, सभी गांवों के सरपंच सहित जिले के समस्त अधिकारी एवं अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। इस दौरान लोगों को संबोधित करते हुए कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन ने कहा कि लोगों की समस्याओं को जानने और उनके निराकरण के लिए इस शिविर का आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि आज आपके गांव में शासन एवं प्रशासन तंत्र आपकी समस्याओं के समाधान के लिए उपस्थित हुआ है और लगातार प्रयास किया जा रहा है कि प्रशासन गांव-गांव पहुंचकर समस्याओं का समाधान करे।

उन्होंने सभी ग्रामवासियों से अपील करते हुए कहा कि वे अपनी समस्याओं को विभिन्न विभागों के जिलाधिकारियों के समक्ष रखें तथा शासन की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि किसी भी योजना की जानकारी, लाभ या शिकायत के लिए संबंधित अधिकारी को अवगत कराएं।

कलेक्टर ने कहा कि प्राप्त शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर लेते हुए उनका त्वरित निराकरण किया जाएगा। साथ ही सभी हितग्राहियों से अपनी शिकायतों एवं समस्याओं का पंजीयन कराने का आग्रह किया, ताकि उनकी स्थिति की सतत मॉनिटरिंग की जा सके। उन्होंने यह भी बताया कि पंजीयन क्रमांक के माध्यम से पोर्टल पर आवेदन की स्थिति ट्रैक की जा सकती है तथा इन पर नियमित समीक्षा बैठकों में चर्चा भी की जाती है।

स्वास्थ्य सुविधाओं के संबंध में कलेक्टर ने सभी को आधार कार्ड एवं आयुष्मान कार्ड बनवाने की अपील की, जिससे वे शासन की स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ ले सकें। उन्होंने टीबी, सिकल सेल एवं कुष्ठ जैसी बीमारियों के प्रति जागरूकता बढ़ाने और समय पर जांच एवं उपचार कराने की भी सलाह दी। साथ ही बढ़ते गर्मी और हीट वेव को देखते हुए आवश्यक सावधानी बरतने की सलाह भी दी गई। साथ ही पर्यावरण संरक्षण के लिए सभी से कम से कम एक पेड़ लगाने की अपील भी की।

इसके अतिरिक्त उन्होंने केसीसी, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना एवं सॉइल हेल्थ कार्ड के संबंध में जानकारी देते हुए किसानों को इन योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया तथा बाल विवाह जैसी सामाजिक समस्या के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया। फौती नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन जैसे राजस्व प्रकरणों को लेकर कहते हुए उन्होंने निर्देशित किया कि प्राप्त आवेदनों का समय पर निराकरण किया जायेगा।

इस शिविर में पुलिस विभाग द्वारा साइबर फ्रॉड के संबंध में जानकारी देकर लोगों को जागरूक किया गया तथा सड़क सुरक्षा को लेकर दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट पहनने, यातायात नियमों का पालन करने एवं चारपहिया चालकों को सीट बेल्ट लगाने की सलाह दी गई।

इस दौरान खोपा निवासी दिव्यांग आदित्य देवांगन पिता सुनील देवांगन द्वारा मोटराइज ट्राइसाइकिल की मांग पर तत्काल कार्यवाही करते हुए समाज कल्याण विभाग द्वारा उन्हें ट्राइसाइकिल प्रदाय किया गया।

इस दौरान परिवहन, स्वास्थ्य, मत्स्य, उद्यानिकी, कृषि, लोक निर्माण विभाग (पीडब्लूडी), लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (पीएचई), समाज कल्याण विभाग, विद्युत एवं राजस्व सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों द्वारा हितग्राहीमूलक योजनाओं की जानकारी दी गई एवं प्राप्त शिकायतों के निराकरण की कार्यवाही की गई।

संक्षिप्त समाचार

सूरजपुर कलेक्टर ने ग्राम खोपा में जनगणना कार्य का किया निरीक्षण

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार) कलेक्टर एस. जयवर्धन ने आज जनगणना कार्य के अंतर्गत ग्राम खोपा पहुंचकर निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्वयं जनगणना कार्य में लगे कर्मचारियों के साथ घर-घर जाकर नागरिकों से जानकारी प्राप्त की तथा कार्य की प्रगति का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने कर्मचारियों को निर्देशित किया कि जनगणना कार्य पूर्ण गंभीरता, सटीकता एवं पारदर्शिता के साथ किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक परिवार की सही जानकारी दर्ज करना अत्यंत आवश्यक है, जिससे शासन की योजनाओं का लाभ सही पात्रों तक पहुंच सके। कलेक्टर ने यह भी कहा कि जनगणना कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा समय-सीमा के भीतर कार्य पूर्ण किया जाए। उन्होंने कर्मचारियों को आम नागरिकों के साथ विनम्र व्यवहार रखते हुए आवश्यक जानकारी सावधानीपूर्वक एकत्रित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) भैयाथान, तहसीलदार सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

फ्लिपकार्ट, एक्सिस बैंक और पेयू ने कार्ड भुगतान के लिए बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण की पेशकश की

नईदिल्ली। भारत के घरेलू ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट ने भारत के सबसे बड़े निजी क्षेत्र के बैंकों में से एक, एक्सिस बैंक और भारत के अग्रणी विविध फिनटेक प्लेटफॉर्म पेयू के साथ मिलकर कार्ड भुगतान के लिए बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण शुरू करने की घोषणा की है। इस पहल के लिए तीन भरोसेमंद संगठन एक साथ आए हैं, जो उपभोक्ता-प्रथम दृष्टिकोण की अपनी साझा विरासत को आगे बढ़ाते हुए भारत के उपभोक्ताओं के प्रति अपनी सामूहिक प्रतिबद्धता को दोहराते हैं। यह पहल उपयोगकर्ताओं को सहायक एंड्रॉइड और आईओएस डिवाइस पर अपने फिंगरप्रिंट या फेस आईडी का उपयोग करके लेनदेन को प्रमाणित करने की अनुमति देती है, जिससे वन-टाइम पासवर्ड की आवश्यकता समाप्त हो जाती है। यह सेवा सबसे पहले एक्सिस बैंक के कार्डधारकों के लिए 'ईश्यूअर-लेवल बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन' के माध्यम से सक्षम की गई है। इस लॉन्च के साथ, फ्लिपकार्ट कार्ड भुगतान के लिए बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण की पेशकश करने वाले भारत के अग्रणी प्रमुख ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स में से एक बन गया है। यह तकनीक ग्राहकों के लिए पेमेंट को ज़्यादा सुरक्षित बनाती है क्योंकि इसमें डिवाइस की पहचान और कड़ी जांच की जाती है। इससे सिम-कार्ड बदलने या ओटीपी के ज़रिए होने वाली धोखाधड़ी का खतरा कम हो जाता है। यह डिजिटल पेमेंट की बड़ी बाधाओं को दूर करता है, एसएमएस वाले ओटीपी की जगह एक तेज़ और ज़्यादा सुरक्षित तरीका लाता है, जिसे स्मार्टफोन चलाने वाले लोग पहले से ही जानते हैं। इस साझेदारी में पेयू मर्चेंट-साइड इंफ्रास्ट्रक्चर का प्रबंधन करता है, जिसमें डिवाइस सुरक्षा और ऑथेंटिकेशन प्रक्रिया शामिल है, जबकि एक्सिस बैंक पेमेंट को कन्फर्म करने के लिए विब्मो तकनीक का इस्तेमाल करता है। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2024 में डिजिटल भुगतान धोखाधड़ी पांच गुना बढ़कर 1,400 करोड़ रुपये से ज्यादा हो गई है। इसी को देखते हुए भारतीय रिजर्व बैंक ने 2025 में 'ऑथेंटिकेशन मैकेनिज्म फॉर डिजिटल पेमेंट ट्रांजैक्शंस डायरेक्शंस, 2025' सर्कुलर जारी किया था, जिसमें एसएमएस वाले ओटीपी की जगह बायोमेट्रिक और ज़्यादा सुरक्षित तरीकों को अपनाने पर जोर दिया गया था। फ्लिपकार्ट, पेयू और एक्सिस बैंक की यह साझेदारी आरबीआई के उसी लक्ष्य को पूरा करती है, जिससे सुरक्षा बढ़ेगी, लेनदेन की सफलता दर सुधरेगी और पेमेंट इकोसिस्टम और मज़बूत बनेगा। इस लॉन्च पर फ्लिपकार्ट में पेमेंट्स एवं सुपरकॉइन्स के वाइस प्रेसिडेंट गौरव अरोड़ा ने कहा, फ्लिपकार्ट में हम जो भी नया काम करते हैं, उसके पीछे मुख्य मकसद नियमों का पालन और ग्राहकों का भरोसा जीतना होता है। आज के समय में जब ऑनलाइन धोखाधड़ी के तरीके बढ़ रहे हैं, तब बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन लाकर हमने ग्राहकों के पेमेंट को और भी सुरक्षित बना दिया है। फिंगरप्रिंट और फेस आईडी जैसे तरीकों के इस्तेमाल से पेमेंट करना न केवल आसान और सरल हो गया है, बल्कि यह सुरक्षा के लिहाज़ से भी बहुत मज़बूत है।

जयनगर सेजेस में परीक्षा परिणाम घोषित, प्राचार्य ने विद्यार्थियों से संवाद कर उन्हें दी शुभकामनाएं

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार) स्थानीय पीएम श्री स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय (सेजेस), जयनगर में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के परीक्षा परिणामों की घोषणा हर्षोल्लास के साथ की गई। इस अवसर पर विद्यालय में अभिभावक-शिक्षक संवाद का आयोजन हुआ, जिसमें मुख्य आकर्षण विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती पुष्पा राय का विद्यार्थियों के साथ सीधा संवाद रहा। कार्यक्रम के दौरान प्राचार्य श्रीमती पुष्पा राय ने स्वयं प्रत्येक कक्षा के विद्यार्थियों से मुलाकात की और उनके परीक्षा परिणाम के बारे में विस्तार से चर्चा की।

उन्होंने केवल मेधावी छात्रों की सराहना की, बल्कि उन बच्चों से भी आत्मीयता से बात की जिन्हें आगामी सत्र में अधिक मेहनत की आवश्यकता है। प्राचार्य ने बच्चों की जिज्ञासाओं को सुना और उन्हें भविष्य में और बेहतर करने के लिए प्रेरित किया, जिससे छात्रओं का आत्मविश्वास बढ़ा।

परिणाम घोषित होने के बाद स्कूल परिसर में विशेष रूप से तैयार किया गया सेल्फी आकर्षण का केंद्र बना रहा। अपनी सफलता से उत्साहित छात्र-छात्राओं ने यहाँ अपने सहपाठियों और शिक्षकों के साथ जमकर तस्वीरें ली। अभिभावकों ने भी इस पहल की प्रशंसा की और अपने बच्चों की उपलब्धि को कैमरों में कैद किया।

समारोह में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को शील्ड और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। प्राचार्य ने अभिभावकों से चर्चा करते हुए कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए घर पर भी कमाल अनिवार्य है। कार्यक्रम का समापन नए सत्र में नई ऊर्जा और संकल्प के साथ आगे बढ़ने की शुभकामनाओं के साथ हुआ।

कॉस्मेटिक एवं दवा दुकानों का सघन निरीक्षण, निजी अस्पतालों में कोल्ड चैन की जांच

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार) राज्य शासन, नियंत्रक खाद्य एवं औषधि प्रशासन छत्तीसगढ़ एवं जिला सूरजपुर कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन निर्देशानुसार तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी सूरजपुर के मार्गदर्शन में 'सही दवा - शुद्ध आहार - यही छत्तीसगढ़ का आधार' अभियान जिले में निरंतर संचालित है। यह अभियान 27 अप्रैल 2026 से 11 मई 2026 तक लगातार जारी रहेगा, जिसके अंतर्गत राज्य में सुरक्षित, गुणवत्तापूर्ण एवं मानकयुक्त दवाओं तथा खाद्य पदार्थों की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु सघन जांच एवं कार्यवाही करने के निर्देश प्राप्त हुए हैं।

प्रतापपुर में कॉस्मेटिक एवं दवा दुकानों का निरीक्षण- अभियान के चतुर्थ दिवस को कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन द्वारा औषधि प्रकोष्ठ हेतु गठित जांच टीम ने ग्रामीण क्षेत्रों में कॉस्मेटिक दुकानों का निरीक्षण किया। औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम 1940 एवं नियमावली 1945 के प्रावधानों के अंतर्गत जिला सूरजपुर के तहसील मुख्यालय प्रतापपुर में 04 कॉस्मेटिक दुकानों का निरीक्षण किया गया, जिसमें से 01 कॉस्मेटिक दुकान से नेल पोलिश का नमूना गुणवत्ता जांच हेतु लिया गया। इसके साथ ही 02 दवाई दुकानों में सघन जांच की गई एवं 01 दवाई दुकान से औषधि का नमूना संकलित कर गुणवत्ता जांच हेतु राज्य औषधि परीक्षणशाला भेजा गया।

निजी अस्पतालों में वैक्सीन स्टोरेज एवं कोल्ड चैन की जांच- अभियान के पंचम दिवस को गठित जांच टीम ने अस्पतालों एवं अस्पतालों से जुड़ी फर्मेसी में वैक्सीन स्टोरेज एवं कोल्ड चौन स्टोरेज परिसरों की जांच की। इस दौरान सूरजपुर जिला मुख्यालय अंतर्गत पांच निजी अस्पतालों का निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान वैक्सीन के संधारण एवं कोल्ड चौन को मेंटेन करने हेतु अस्पताल प्रबंधन तथा संबंधित फर्मेसी दुकानों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही भविष्य में औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम 1940 एवं नियमावली 1945 के नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया।

उक्त संपूर्ण कार्यवाही में सहायक संचालक (औषधि) श्री राम ब्रिजेश प्रजापति, औषधि निरीक्षक श्री अमरेश तिर्की, औषधि निरीक्षक श्री जय प्रकाश शर्मा एवं नमूना सहायक सुश्री दीपा साहू सक्रिय रूप से सम्मिलित रहे।

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने अप्रैल 2026 में 5 .63 लाख यूनिट्स की बिक्री दर्ज की

नईदिल्ली। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (HMSI) ने आज अप्रैल 2026 के लिए अपनी सेल्स परफॉर्मेंस की घोषणा की। अप्रैल 2026 में कंपनी की कुल सेल्स 5.63 लाख यूनिट्स रही, जबकि अप्रैल 2025 में यह 4.80 लाख यूनिट्स थी, जो साल-दर-साल 17% की बढ़ोतरी दिखाती है। अप्रैल 2026 में, घरेलू सेल्स 4.84 लाख यूनिट्स रही, जबकि अप्रैल 2025 में यह 4.22 लाख यूनिट्स थी, जो 14.7% की बढ़ोतरी दिखाती है। अप्रैल 2026 में एक्सपोर्ट 0.796 लाख यूनिट्स था, जबकि पिछले साल इसी महीने यह 0.579 लाख यूनिट्स था, जो 37.4% की बढ़ोतरी दिखाता है। परफॉर्मेंस पर कमेंट करते हुए, एचएमएसआई के प्रेसिडेंट और सीईओ, त्सुत्सुमु ओटानी ने कहा, अप्रैल की परफॉर्मेंस को आगे बढ़ाते हुए, हम डिसिप्लिन्ड और लगातार एग्जीक्यूशन के ज़रिए कस्टमर का भरोसा मज़बूत करना जारी रखे हुए हैं। टू-व्हीलर मार्केट में डिमांड सभी सेगमेंट में मज़बूत बनी हुई है। हम मार्केट के डायनामिक्स के हिसाब से तेज़ी से रिस्पॉन्ड करते रहेंगे, साथ ही सस्टेनेबल और स्टेबल ग्रोथ देने पर फोकस करेंगे। एक मज़बूत प्रोडक्ट पोर्टफोलियो और देश भर में हमारे डीलर पार्टनर्स के सपोर्ट से, हम लॉन्ग-टर्म एंटरप्राइज वैल्यू बढ़ाने के लिए कमिटेड हैं। HMSI अपने मज़बूत प्रोडक्ट पोर्टफोलियो और 7000 से ज़्यादा टचपॉइंट्स के मज़बूत देशव्यापी नेटवर्क के ज़रिए लगातार ग्रोथ कर रहा है।

विकसित कृषि संकल्प अभियान 5 मई से 20 मई तक आयोजित, जिले में होंगे कुल 144 कार्यक्रम

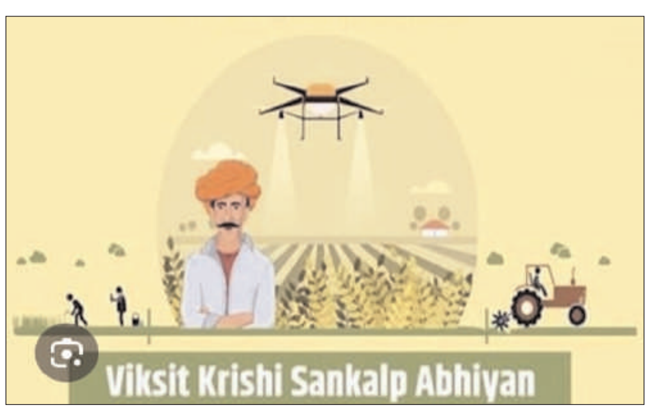

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार) कृषि मंत्री छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार व कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन के मार्गदर्शन में सूरजपुर जिले के समस्त विकासखंडों में 05 मई 2026 से 20 मई 2026 तक 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' चलाया जाएगा। अभियान के अंतर्गत प्रत्येक विकासखंड में 2-2 टीमों का गठन किया गया है, जिसके माध्यम से जिले में कुल 144 कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

गठित टीम में कृषि विज्ञान केंद्र एवं कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक, कृषि, पशुपालन, उद्यानिकी एवं मत्स्य विभाग के अधिकारी, जनप्रतिनिधि तथा प्रगतिशील किसान, कृषि उद्यमी, लखपति दीदी, एफपीओ एवं एफआईजी के प्रतिनिधि शामिल रहेंगे। यह टीम अभियान के दौरान प्रतिदिन 1-1 चिन्हांकित ग्राम पंचायत में पहुंचकर कृषि-वैज्ञानिक परिचर्चा के माध्यम से खरीफ पूर्व कृषि कार्य की तैयारी हेतु किसानों को तकनीकी सलाह एवं सुझाव देगी।

अभियान का मुख्य उद्देश्य खरीफ मौसम की प्रमुख फसलों से संबंधित आधुनिक तकनीकी के प्रति किसानों को जागरूक करना तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं एवं नीतियों की जानकारी उन तक पहुंचाना है। मृदा स्वास्थ्य कार्ड (आईसीटी) में फसलवार अनुशंसित मात्रा अनुसार संतुलित उर्वरक के उपयोग हेतु किसानों को प्रोत्साहित किया जाएगा। साथ ही किसानों से फीडबैक लेकर उनके नवाचारों (फारमर्स इन्नोवेसंस) के संबंध में वैज्ञानिक जानकारी प्राप्त की जाएगी, जिससे आगामी अनुसंधान की दिशा निर्धारित की जा सके।

अभियान के दौरान उन्नत तकनीक एवं नई किस्मों, प्राकृतिक खेती तथा जैविक खेती को अपनाने, मृदा स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए जैविक खाद एवं जैव उर्वरक के उपयोग पर विशेष चर्चा होगी। संतुलित उर्वरक उपयोग को बढ़ावा देने के लिए वैज्ञानिक अनुशंसा के आधार पर ई-उर्वरक (टोकन प्रणाली) आधारित वितरण व्यवस्था का प्रचार-प्रसार किया जाएगा। डीएपी के विकल्प के रूप में 12:32:16, 20:20:13 एवं एसएसपी जैसे अन्य रासायनिक उर्वरकों के उपयोग की जानकारी भी दी जाएगी। हरी खाद, जैव उर्वरक, नीलहरित काई एवं केंचुआ खाद के उपयोग को बढ़ावा देने पर भी जोर रहेगा। कृषि विज्ञान केंद्र, आईसीएआर संस्थान एवं इफको द्वारा कृषि ड्रोन के माध्यम से तरल उर्वरक छिड़काव का प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। धान की कतार बोनी (लाइन सोविंग), डीएसआर मशीन से बोनी, पैडी ट्रांसप्लांटर से धान की रोपाई एवं सोयाबीन फसल में रिज एंड फरो प्रणाली, बीबीएफ जैसी उन्नत तकनीकों का प्रसार भी किया जाएगा। किसानों के बीच जागरूकता लाने के लिए सूचना एवं प्रसार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) का व्यापक उपयोग होगा।

अभियान के अंतर्गत किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड, आत्मनिर्भर दलहन एवं तिलहन मिशन, ऑयल पाम मिशन, ऑयल सीड्स मिशन तथा फसल चक्र परिवर्तन के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। एग्रीस्टैक परियोजना के अंतर्गत समीपस्थ लोक सेवा केंद्र के माध्यम से निःशुल्क फार्मर आईडी तैयार करने की जानकारी दी जाएगी। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत ई-केवाईसी, आधार सीडिंग, सेल्फ रजिस्ट्रेशन एवं फिजिकल वेरिफिकेशन का कार्य किया जाएगा। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के क्षतिपूर्ति प्रावधानों से भी कृषकों को अवगत कराया जाएगा। सिंचाई संसाधनों के समुचित उपयोग हेतु ड्रिप एवं स्प्रिंकलर तकनीक तथा जल संरक्षण-संवर्धन की जानकारी दी जाएगी। बीज, उर्वरक एवं अन्य आदान सामग्रियों की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित कर जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में किसानों को वितरण किया जाएगा। पराली जलाने से होने वाले नुकसान की जानकारी देते हुए किसानों को पराली न जलाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा तथा पराली प्रबंधन हेतु उपयोगी यंत्र मल्चर का प्रदर्शन भी किया जाएगा। क्षेत्र विशेष में मखाना एवं सिंघाड़ा जैसी फसलों के उत्पादन हेतु भी किसानों को प्रोत्साहित किया जाएगा।

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर, शनिवार 02 मई 2026

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय

भारत-यूजीलैंड एफटीए: किसानों, युवाओं नौकरियों और विकास के लिए महिलाओं के नेतृत्व में एक ऐतिहासिक समझौता

पीयूष गोयल

भारत न्यूज़ीलैंड मुक्त व्यापार समझौता (एफ्टीए), जिस पर सोमवार को हस्ताक्षर किये जायेंगे, विकसित दुनिया के साथ भारत की

सहभागिता में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह वैश्विक आर्थिक साझेदारियों को किसानों, महिलाओं, युवाओं और रोजगार सृजक उद्योगों के लिए ठोस लाभ में बदलने से जुड़े प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण में हुई निर्णायक प्रगति को प्रतिबिंबित करता है।यह एफ्टीए प्रमुख विकसित अर्थव्यवस्थाओं, जिसमें यूनाइटेड किंगडम और यूरोपीय संघ शामिल हैं, के साथ हुए कई ऐतिहासिक व्यापार समझौतों के बाद हो रहा है। ये समझौते वैश्विक बाजारों में भारत की स्थिति को मजबूत करते हैं और निर्यातकों को दुनिया की कुछ सबसे लाभकारी अर्थव्यवस्थाओं में, यहां तक कि वर्तमान वैश्विक अनिश्चितता और उथल-पुथल के बीच भी, प्रतिस्पर्धा आधारित बढ़त प्रदान करते हैं।

निर्यात और रोजगार को मजबूत बढ़ावा

दोनों पक्षों के लिए समान रूप से लाभकारी इस समझौते के केंद्र में न्यूजीलैंड की यह प्रतिबद्धता है कि वह तुरंत ही सभी भारतीय उत्पादों पर शुल्क समाप्त कर देगा, जिससे उस बाजार में एक महत्वपूर्ण बाधा दूर होगी, जहाँ हमारे प्रमुख निर्यात पर वर्तमान में 10त्न शुल्क लगाया जाता है। यह वस्त्र, कालीन, धागे, कपड़े, फुटवियर, बैग, बेल्ट, वाहन घटक, मशीनरी, उपकरण, रत्न और आभूषण तथा हस्तशिल्प जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों के लिए एक बड़ा प्रोत्साहन है। रोजगार के अवसरों का सृजन करने वाले ये उद्योग भारत के एमएसएमई इकोसिस्टम की रीढ़ हैं और इन्हें मूल्य प्रतिस्पर्धा और बाजार पहुँच से लाभ मिलेगा। इससे निर्यात बढ़ेगा और निर्माण केन्द्रों, कारीगर समुदायों और लघु उद्यमों में बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन को बढ़ावा मिलेगा। यह समझौता उस व्यापक दर्शन को प्रतिबिंबित करता है, जो 2014 में मोदी सरकार के गठन के बाद से भारत की व्यापार नीति का मार्गदर्शन कर रहा है। यह समावेश, सशक्तिकरण और साझा समृद्धि में निहित है। व्यापार को राष्ट्रीय परिवर्तन के उपकरण के रूप में देखा जाता है, जो किसानों, श्रमिकों, महिलाओं, युवाओं और वंचित समुदायों को लाभ पहुंचाता है।इस समझौते की एक प्रमुख विशेषता यह है कि यह भारत का पहला महिला-नेतृत्व वाला एफ्टीए है। वार्ता टीम की लगभग सभी सदस्य महिलायें थीं। इनमें मुख्य वार्ताकार, उप मुख्य वार्ताकार, क्षेत्र प्रमुख और न्यूजीलैंड में भारत की राजदूत शामिल हैं।यह उपलब्धि मोदी सरकार में महिलाओं के बढ़ते महत्व को दर्शाती है। यह शासन, नेतृत्व और विभिन्न क्षेत्रों में निर्णय लेने में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के व्यापक प्रयासों के अनुरूप है और राष्ट्रीय विकास के संचालक के रूप में नारी शक्ति के विचार को सुदृढ़ करती है।

किसान पहले

एफ्टीए की संरचना कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए सावधानीपूर्वक तैयार की गयी है। न्यूज़ीलैंड कीवी, सेब और शहद के लिए कृषि उत्पादकता कार्ययोजनाओं का समर्थन करेगा। इन पहलों में बेहतर बीज सामग्री, अनुसंधान सहयोग, किसानों के लिए क्षमता निर्माण, बागवानी प्रबंधन प्रथाएं, कटाई के बाद सुधार, खाद्य सुरक्षा प्रणाली और उत्कृष्टता केंद्रों की स्थापना शामिल है। सेब उत्पादकों और सतत मधुमक्खी पालन तौर-तरीकों के लिए परियोजनाएं उत्पादन और गुणवत्ता मानकों को बढ़ाएंगी, जिससे कृषि समृद्धि में वृद्धि होगी। इसके साथ ही, भारत ने अपने प्रमुख कृषि हितों की मजबूती से सुरक्षा की है। डेयरी उत्पादों (जैसे दूध, क्रीम, व्हे, दही और पनीर); प्याज, चना, मटर, मकई, बादाम, चीनी और कुछ ख़ास तेल और वसा जैसी संवेदनशील वस्तुओं को शुल्क छूट से बाहर रखा गया है। समझौता सुनिश्चित करता है कि घरेलू किसान हानिकारक आयात प्रतिस्पर्धा से सुरक्षित रहें। किसानों और मछुआरों के हितों की रक्षा करना सभी व्यापार वार्ताओं में भारत के दृष्टिकोण का केंद्र रहा है।

युवा और पेशेवर

समझौते का एक प्रमुख स्तंभ छात्रों और कुशल पेशेवरों के लिए बढ़ी हुई आवागमन की सुविधा है, जो भारत के युवाओं के लिए नए वैश्विक मार्ग का निर्माण करती है। किसी भी द्विपक्षीय व्यापार समझौते में पहली बार, न्यूजीलैंड ने भारतीय छात्रों के आवागमन और अध्ययन के बाद काम करने के अवसरों के लिए एक संरचना-युक्त रूपरेखा पेश की है। भारतीय छात्रों पर कोई संख्यात्मक सीमा नहीं है। छात्रों को अध्ययन के दौरान प्रति सप्ताह कम से कम 20 घंटे काम करने की अनुमति दी जाएगी, जबकि अध्ययन के बाद काम करने के अधिकार - एसटीईएम स्नातकों के लिए तीन वर्षों तक और डॉक्टर डिग्री के शोधार्थियों के लिए चार वर्षों तक - बढ़ाए गये हैं।समझौता किसी भी समय 5,000 भारतीय पेशेवरों तक के लिए अस्थायी रोजगार प्रवेश वीज़ा मार्ग पेश करता है, जिसके तहत आईटी, इंजीनियरिंग, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, निर्माण तथा योग, आयुर्वेद, भारतीय व्यंजन और संगीत शिक्षा जैसे चयनित पारंपरिक क्षेत्रों में तीन वर्षों तक रहने की अनुमति होगी। इसके अलावा, एक वर्किंग हॉलीडे वीज़ा योजना प्रत्येक वर्ष 1,000 युवा भारतीयों को न्यूज़ीलैंड में 12 महीने तक रहने और काम करने की अनुमति देगी, जिससे सांस्कृतिक आदान-प्रदान और वैश्विक अनुभव को मजबूती मिलेगी।

निवेश और नवाचार

न्यूजीलैंड ने भारत में 20 अरब डॉलर के निवेश के लिए प्रतिबद्धता जताई है। इससे विनिर्माण, अवसंरचना, नवीकरणीय ऊर्जा, डिजिटल सेवाओं, नवाचार इकोसिस्टम और रोजगार सृजन को समर्थन मिलने की उम्मीद है।जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए एक 'पुनर्संतुलन खंड' शामिल किया गया है, जिससे भारत को यह अधिकार मिलता है कि यदि निवेश संबंधी प्रतिबद्धताएं पूरी नहीं होतीं हैं, तो वह सुधारात्मक कदम उठा सकता है। यह समझौता अनुसंधान, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, कौशल विकास और नवाचार-आधारित क्षेत्रों में सहयोग को भी बढ़ावा देता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि दीर्घकालिक विकासात्मक साझेदारियों में व्यापार पूरक भूमिका निभाएगा।भारतङ्कन्यूज़ीलैंड एफ्टीए विकसित अर्थव्यवस्थाओं के साथ साझेदारी करने की स्पष्ट और भरोसेमंद व्यापार रणनीति को प्रतिबिंबित करता है, जो भारत के श्रम-प्रधान क्षेत्रों के लिए सार्थक बाजार पहुँच की सुविधा देता है और घरेलू संवेदनशीलताओं का सम्मान करता है। आज भारत ताकत और विश्वसनीयता की स्थिति के साथ वार्ता करता है। पहले के दशकों में व्यापार समझौतों को अक्सर संवेदनशील क्षेत्रों को अपर्याप्त सुरक्षा दिए बिना अंतिम रूप दिया जाता था, इसके विपरीत वर्तमान वार्ताएं सुनिश्चित करती हैं कि कृषि, डेयरी और अन्य संवेदनशील क्षेत्र पूरी तरह से सुरक्षित रहें। जैसे-जैसे भारत विकसित अर्थव्यवस्थाओं के साथ अपनी सहभागिता को प्रगाढ़ कर रहा है।

खाद्य सुरक्षा से खाद्यान्नों के मामले में नेतृत्व की ओर: खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में पीएलआई योजना का परिवर्तनकारी प्रभाव

श्रीअविनाश जोशी
लेखक आईएएस अधिकारी और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के सचिव हैं

खाद्यान्नों से जुड़ी भारत की कहानी में एक निर्णायक मोड़भारत आज अपने आर्थिक सफर के

एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। अब जबकि हमारा देश दुनिया की सबसे ब ड ़ ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनने की दिशा में अग्रसर है, विकास को सिर्फ उत्पादन की मात्रा से ही नहीं, बल्कि हमारे द्वारा सृजित मूल्य के आधार पर भी मापना होगा।खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र की तुलना में बहुत कम क्षेत्र ही ऐसे हैं, जहां इस प्रकार का बदलाव बिल्कुल साफ नजर आता है।भारत खाद्यान्नों, फलों, सब्जियों, दूध और समुद्री उत्पादों के सबसे बड़े उत्पादक देशों में से एक है। दशकों तक, हमारे कृषि संबंधी सामर्थ्य ने देश में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित की। फिर भी, इस उपज का एक बड़ा हिस्सा पारंपरिक रूप से बेहद ही सीमित मूल्यवर्धन के साथ सीधे खेत से बाजार तक पहुंचता रहा।आज भारत के कृषि उत्पादन का महज 12-13 प्रतिशत हिस्सा ही प्रसंस्करण से गुजरता है। उत्पादन और प्रसंस्करण के बीच का यही अंतर भारतीय अर्थव्यवस्था में उपलब्ध सबसे बड़े अवसरों में से एक है।इसलिए, खाद्यान्नों से जुड़ी भारत की यात्रा का अगला चरण बिल्कुल स्पष्ट है: कृषि की प्रचुर संपदा को उच्च मूल्य वाले एवं वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी खाद्य उत्पादों में परिवर्तित करना।

पीएलआई योजना के पीछे की परिकल्पना

इस अवसर को पहचानते हुए, भारत सरकार ने मार्च 2021 में कुल 10,900 करोड़ रुपये के वित्तीय परिव्यय के साथ खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के लिए उत्पादन पर आधारित प्रोत्साहन योजना (पीएलआईएसएफपीआई) की शुरुआत की।खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय (एमओएफपीआई) द्वारा इस योजना को 2021-22 से 2026-27 तक की छह साल की अवधि के लिए लागू किया जा रहा है।इस योजना के पीछे का मूल विचार सरल लेकिन ठोस है: खाद्य प्रसंस्करण क्षमता, नवाचार और वैश्विक ब्रांडिंग के विस्तार में निवेश करने वाली कंपनियों को पुरस्कृत करना। कुल मिलाकर, यह योजना इन-स्टोर ब्रांडिंग, अंतरराष्ट्रीय खुदरा श्रृंखलाओं में शेल्फ स्पेस और वैश्विक विपणन अभियानों में निवेश करने हेतु वित्तीय सहायता प्रदान करके भारत में खाद्य उत्पादन से जुड़ी वैश्विक स्तर की कई चैंपियन कंपनियां तैयार करती है।

रणनीतिक डिजाइन: एक आधुनिक खाद्य इकोसिस्टम का निर्माण

पीएलआईएसएफपीआई योजना की संरचना को सावधानीपूर्वक को तीन प्रमुख स्तंभों पर आधारित रखा गया है।1. उच्च क्षमता वाले खाद्य क्षेत्रों को प्रोत्साहन देनापहला घटक पकाने के लिए तैयार (रेडी-टू-कुक) और खाने के लिए तैयार (रेडी-टू-ईट) खाद्य पदार्थ, प्रसंस्कृत फल और सब्जियां, समुद्री उत्पाद जैसी प्रमुख खाद्य श्रेणियों में उत्पादन बढ़ाने पर केन्द्रित है।ये श्रेणियां वैसे क्षेत्र हैं जिनमें भारत घरेलू खपत और निर्यात क्षमता, दोनों में तेजी से विस्तार कर सकता है1. नवाचार और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) की भागीदारी को प्रोत्साहन देना दूसरा घटक एमएसएमई द्वारा विकसित नवोन्मेषी और जैविक खाद्य उत्पादों को समर्थन प्रदान करता है। लघु एवं मध्यम उद्यम भारत के खाद्य क्षेत्र की रीढ़ हैं और समावेशी विकास हेतु आधुनिक आपूर्ति श्रृंखलाओं के साथ उनका जुड़ाव बेहद जरूरी है।

पोषक अनाज (मिलेट) से संबंधित नवाचार: परंपरा को आधुनिक बाजारों से जोड़ना

वर्ष 2023 में, अंतरराष्ट्रीय पोषक अनाज (मिलेट्स) वर्ष के उपलक्ष्य में, मंत्रालय ने पीएलआई योजना के तहत एक विशेष पहल की शुरुआत की। इस पहल का उद्देश्य पकाने के लिए तैयार (रेडी-टू-कुक) और खाने के लिए तैयार (रेडी-टू-ईट) उत्पादों में मिलेट्स के उपयोग को प्रोत्साहित करना था। मिलेट्स जलवायु परिवर्तन के प्रति प्रतिरोधी, अत्यधिक पौष्टिक और भारत की कृषि परंपराओं में गहराई से जुड़े हुए हैं।आधुनिक प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों में मिलेट्स का समावेश करके, यह योजना पोषण संबंधी सुरक्षा और जलवायु परिवर्तन के प्रति प्रतिरोधी कृषि को एक साथ बढ़ावा देती है।

बदलाव से जुड़े आंकड़े

पीएलआई योजना के तहत बहुत ही कम समय में हासिल की गई प्रगति उद्योग जगत की ओर मिली सकारात्मक प्रतिक्रिया और इस नीति की प्रभावशीलता को दर्शाती है।

अब तक: इस योजना के तहत 165 कंपनियों को मंजूरी दी गई है।इनमें से 68 सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) हैं, साथ ही बड़ी कंपनियों के 40 संविदा निर्माता भी शामिल हैं। कुल मिलाकर 9,207 करोड़ रुपये का निवेश किया जा चुका है। प्रति वर्ष लगभग 35 लाख मीट्रिक टन की नई प्रसंस्करण और संरक्षण संबंधी क्षमता सृजित की गई है। इस योजना से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 3.29 लाख रोजगार सृजित हुए हैं।ध्यान रखने लायक बात यह है कि इस योजना का मूल लक्ष्य 25 लाख रोजगार सृजित करना था। इस क्षेत्र ने पहले ही इस लक्ष्य का 131 प्रतिशत हिस्सा हासिल कर लिया है।पीएलआई समर्थित कंपनियों द्वारा प्रसंस्कृत कृषि उत्पादों की बिक्री में भी 2019-20 से 13.23 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई है। (निर्यात में वृद्धि दर 2019-20 से 7.41 प्रतिशत की है)

विभिन्न पीएलआई योजनाओं के बीच एक चमकता सितारा

उत्पादन पर आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना भारतीय अर्थव्यवस्था के 14 क्षेत्रों को कवर करती है। इनमें से, खाद्य प्रसंस्करण से संबंधित पीएलआई सबसे प्रभावशाली योजनाओं में से एक बनकर उभरी है।कुल पीएलआई सब्सिडी वितरण में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र का हिस्सा मात्र 8 से 9 प्रतिशत ही होने के बावजूद, इसने तमाम पीएलआई योजनाओं के तहत सृजित किए गए कुल रोजगारों में से लगभग 42 प्रतिशत रोजगार सृजित किए हैं।अब तक, इस योजना के तहत कुल 2715 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि जारी की जा चुकी है। यह कुल परिव्यय का लगभग 25 प्रतिशत हिस्सा है। यह साबित करता है कि खाद्य प्रसंस्करण भारत के मैन्यूफैक्चरिंग इकोसिस्टम में सबसे अधिक रोजगार सृजित करने वाले क्षेत्रों में से एक है।उपभोक्ताओं की बदलती जीवनशैली के अनुरूप बदलाव भारत के जनसांख्यिकीय परिवर्तन का असर खाद्य उद्योग पर भी पड़ रहा है।युवा और शहरीकरण की ओर अग्रसर आबादी की बढ़ती मांगें इस प्रकार हैं: खाद्य संबंधी सुविधाजनक उपाय

स्वच्छ पैकेजिंग

सुरक्षित और पौष्टिक खाने के लिए तैयार (रेडी-टू-ईट) उत्पादबेंगलुरु, मुंबई या दिल्ली जैसे शहरों में काम करने वाले पेशेवर अक्सर पकाने के लिए तैयार (रेडी-टू-कुक) या खाने के लिए तैयार (रेडी-टू-ईट) वैसे गुणवत्तापूर्ण भोजन की तलाश में रहते हैं जो उनकी तेज रफ्तार जीवनशैली के अनुरूप हो।

खाद्य सुरक्षा से खाद्य नेतृत्व की ओर

भारत की प्रचुर कृषि संपदा इसकी सबसे बड़ी ताकत है। हमारे सामने इस प्रचुर संपदा को सतत आर्थिक मूल्य में बदलने की चुनौती है। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग से संबंधित उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना इस बदलाव को गति देने में सहायक साबित हो रही है और खाद्य सुरक्षा से आगे बढ़कर वैश्विक स्तर पर खाद्यानों के मामले में नेतृत्व का सपना शीघ्र ही साकार होने वाला है।

नारंगी अर्थव्यवस्था: जनजातीय कला, हस्तशिल्प और आजीविका

ंजना चोपड़ा

वर्शांग खैयर मणिपुर के उखरूल जिले के लॉन्गापी गाँव के निवासी हैं, जो अपने और अपने परिवार की

रोजी-रोटी गाँव में उपलब्ध गारे और सर्पेंटीनाइट पत्थर से बर्तन बनाकर कमाते हैं। स्थानीय तांगखुल नागा जनजातियों के अनुसार, यह पारंपरिक शिल्प, देवी पंथोइबी की कृपा है और आज यह उनकी आय का मुख्य स्रोत है और इसने छोटे से गाँव को वैश्विक मानचित्र पर ला दिया है। इसी तरह, नॉर्थी कुट्टन, जो तमिलनाडु के उद्हगमंडलम जिले के पागलकोड मंड गाँव में रहते हैं, पारंपरिक कढ़ाई कला से अपनी आजीविका कमा रहे हैं। इस कढ़ाई कला का उपयोग नीलगिरी के हरे-भरे जंगलों में बसे टोडा जनजाति समूह द्वारा किया जाता है। जीआई टैग से युक्त यह शिल्प प्रकृति और सामुदायिक बंधन का जश्न मनाता है और इसे बहुत ही सुंदरता के साथ टेबल मैट, रनर, जैकेट आदि पर अंकित किया जाता है और समकालीन उपयोग में इसे लोकप्रियता भी मिली है। खैयर और कुट्टन दोनों अपने पारंपरिक जनजातीय कला रूपों के एक उन्नत रूप का अभ्यास करके सालाना लगभग 6-8 लाख रुपये कमाते हैं।जनजातीय आजीविका लंबे समय से ज्ञान और पारंपरिक प्रथाओं पर आधारित रही है, जहां रचनात्मकता शिल्प, परंपरा, वस्त्र, संगीत, नृत्य, कथा-वाचन और भाषाओं में निहित है। ये केवल उत्पाद या सेवाएं नहीं हैं, बल्कि ज्ञान की जीवित विरासत हैं, जो पीढ़ियों के माध्यम से आगे बढ़ती हैं। जनजातीय समुदायों के पास मौजूद रचनात्मक संपत्तियों का महत्वपूर्ण आर्थिक मूल्य है, जिसे यदि परंपरा के प्रति संवेदनशील रहते हुए सतत तरीके से उपयोग किया जाए, तो यह नारंगी अर्थव्यवस्था (ऑरेंज इकोनॉमी) को गति दे सकता है और इस इकोसिस्टम के तहत आय उत्पन्न करने वाली गतिविधियों का सृजन कर सकता है।रचनात्मक अर्थव्यवस्था को दर्शाने के लिए व्यापक रूप से इस्तेमाल की जाने वाली नारंगी अर्थव्यवस्था, यूएनसीटीएडी (संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास सम्मेलन) के अनुमान के अनुसार 2 ट्रिलियन डॉलर से 2.25 ट्रिलियन डॉलर के बीच है, जो वैश्विक जीडीपी का लगभग 3.1त्न है। भारत में, जहाँ हथकरघा और हस्तशिल्प क्षेत्र के लिए ठोस डेटा मौजूद है, वहीं जनजातीय शिल्प और आजीविका के लिए डेटा की कमी है। हालांकि, रणनीतिक निहितार्थ स्पष्ट है: जनजातीय कला और शिल्प कुछ ऐसी ग्रामीण आजीविकाएं हैं, जो वैश्विक रचनात्मक वस्तुएँ की मांग से सीधे जुड़ सकती हैं यदि प्रामाणिकता, लॉजिस्टिक्स और गुणवत्ता प्रणाली मौजूद हों।अनुमान है कि भारत की अनुसूचित जनजाति की आबादी 104 मिलियन है और कुल आबादी में इसकी हिस्सेदारी लगभग 8.6त्न है। लगभग 700 अलग-अलग जनजातीय समुदाय विभिन्न पारिस्थितिक क्षेत्रों में निवास करते हैं: जंगल, पहाड़, मैदान और सीमा क्षेत्र। इस विविधता का प्रत्यक्ष आर्थिक संबंध है। यह पारिस्थितिकी के अनुसार शिल्प विशेषज्ञता को प्रतिबिंबित करता है, जैसे जंगल वाले क्षेत्रों में बांस और छड़ी, खनिज क्षेत्रों में धातु और मिट्टी, और बुनाई गलियारों में वस्त्र परंपराएँ। इसके परिणामस्वरूप, भारत के जनजातीय क्षेत्र; एकल जनजातीय शिल्प क्षेत्र के बजाय विविध अर्थव्यवस्थाओं से युक्त हैं। इसलिए, नीति निर्माण क्षेत्रीय रूप से भिन्न होना चाहिए और सभी के लिए उपयुक्त एक ही शिल्प योजना नहीं होनी चाहिए। नीतियों को कच्चे माल की सीमाओं, डिज़ाइन और गुणवत्ता संबंधी मुद्दों और बाजार संबंधों को ध्यान में रखना चाहिए।वर्तमान में, जनजातीय कला/हस्तशिल्प आजीविका इकोसिस्टम, कई मंत्रालयों और संस्थानों के कार्यादेशों से बना है, जो विभिन्न स्तरों पर एक-जैसे हैं। जनजातीय कार्य मंत्रालय इस इकोसिस्टम का मुख्य स्तंभ है और विकास के लिए अत्यंत आवश्यक अवसंरचना में सुधार करता है और ट्राइफेड (भारतीय जनजातीय सहकारी विपणन विकास संघ लिमिटेड) के माध्यम से बाजार-जुड़ाव की सुविधा देता है। ट्राइफेड एक प्रमुख बाजार संचालक के रूप में कार्य करता है। ट्राइफेड वन धन विकास केंद्रों (वीडीवीके) का समर्थन करता है, जो खरीद और मूल्य संवर्धन के लिए जमीनी स्तर की इकाइयाँ हैं। ट्राइफेड, ट्राइब्स इंडिया आउटलेट और आदि महोत्सव/हाट्स के माध्यम से खुदरा विपणन करता है ताकि उत्पादकों को खरीदारों और संस्थागत भागीदारों से जोड़ा जा सके। वस्त्र मंत्रालय राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम (एनएचडीपी) के माध्यम से हस्तशिल्प को बढ़ावा देता है और समग्र हथकरघा/हस्तशिल्प क्लस्टर विकास योजनाओं (सीएचसीडीएस) के माध्यम से क्लस्टर अवसंरचना को प्रोत्साहन देता है और कारीगरों के डेटाबेस को अद्यतन करता है। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई) पारंपरिक उद्योग पुनरुत्थान निधि योजना (स्फूर्ति) के माध्यम से क्लस्टर पुनरुत्थान और बिक्री-योग्यता का समर्थन करता है, स्पष्ट रूप से आपूर्ति-संचालित मॉडल के बदले बाज़ार-संचालित मॉडल का उपयोग करता है और ई-कॉमर्स को एक माध्यम के रूप में महत्व देता है।अनुभव से पता चलता है कि ग्रामीण आजीविका मूल्य-श्रृंखला चुनौतीपूर्ण है क्योंकि ये कमजोर हैं, कारीगर सीधे बाजार से जुड़े नहीं होते हैं और मध्यस्थों पर अधिक निर्भर रहते हैं। ये कारक लाभ कम कर देते हैं तथा खराब भंडारण और एकत्रीकरण की वजह से अर्थव्यवस्था के विस्तार को समस्याओं का सामना करना पड़ता है। यदि हम विश्लेषण को कारीगर परिवारों के स्तर तक और गहराई से देखें, तो जो पैटर्न दिखाई देता है वह मिश्रित अर्थव्यवस्था का है। कारीगर शिल्प कार्य को सहायक या अंशकालिक रोजगार के रूप में देखते हैं, विशेष रूप से ऐसे क्षेत्रों में, जहां कृषि मौसम-आधारित है या परिवार की जरूरतों को पूरा करने के लिए अपर्याप्त है। इस परिस्थिति में, खराब ऋण पात्रता और उद्यम विकास, बाजार से जुड़ाव की कमी और व्यापारियों पर निर्भरता से आय प्रवाह अनियमित हो जाता हैहालांकि, शिल्प कम पूंजी में घर पर उत्पादित किए जा सकते हैं, जिनमें उच्च लाभ की संभावना भी हो सकती है। शिल्प हस्तक्षेप अक्सर महिलाओं के रोजगार, आय और सौदेबाजी की शक्ति से जुड़े कार्यक्रम होते हैं। मोटे अनुमान बताते हैं कि 7 मिलियन से अधिक कारीगरों में महिलाओं की हिस्सेदारी 56त्न से 70त्न से अधिक हैं और हथकरघा क्षेत्र के बुनकरों में 72.29त्न महिलाएं हैं। कौशल हस्तांतरण अनौपचारिक होता है और आमतौर पर एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को दिया जाता है। जनजातीय कला रूपों के लिए, जहां तकनीक और आख्यान में सांस्कृतिक अर्थ निहित होता है, वहाँ हस्तांतरण दोनों तरह का होता है—आर्थिक (कौशल) और सांस्कृतिक (प्रामाणिकता)।

जनजातीय कार्य मंत्रालय के अंतर्गत तीन मौजूदा मॉडल मजबूत जुड़ाव के उपाय प्रदान करते हैं: वीडीवीके जैसी उत्पादनकर्ता समितियाँ, जो साझा अवसंरचना और संग्रहण प्रदान करती हैं; ट्राइब्स इंडिया स्टोर जो खरीदार से जोड़ने में मदद करते हैं और राज्य स्तर पर क्लस्टर विकास और कौशल उन्नयन के लिए सहकारी संस्थाएँ। उदाहरण के लिए, ओडिशा में 150 वीडीवीके कार्यरत हैं जिनकी कुल बिक्री ?2,459.91 लाख है और जिसमें लगभग 40,000 जनजातीय उत्पादकों को एकीकृत किया गया है। जनजातीय विकास सहकारी निगम एक उच्च स्तरीय सहकारी संस्था है, जो जनजातीय उत्पादकों द्वारा तैयार किये गये वन और गैर-वन आधारित वस्तुओं के विपणन और ब्रांडिंग का कार्य करती है। यह भारत के लिए एक मुख्य रणनीतिक सिफारिश को रेखांकित करता है: नारंगी अर्थव्यवस्था में जनजातीय कला/हस्तशिल्प को बेहतर क्षेत्रीय लेखांकन, लागू करने योग्य प्रामाणिकता/नैतिक व्यापार संरचना, और उत्पादक-संचालित वितरण की आवश्यकता है, जो मध्यस्थों के प्रभाव को कम करता हो। लघु-अवधि के लिए भारत ट्राइब्स फेस्ट जैसे त्योहारों को खरीद संभावना तथा उत्पाद कैटलॉग के मानकीकरण और डिजिटलीकरण के रूप में देखा जाना चाहिए एवं राष्ट्रीय एसटी वित्त विकास निगम और पीएम विश्वकर्मा जैसी योजनाओं के माध्यम से ऋण समर्थन को खरीदार आदेशों के साथ एकीकृत किया जाना चाहिए। हालांकि, दीर्घ-अवधि के लिए सरकार को एक जनजातीय रचनात्मक अर्थव्यवस्था उपग्रह विवरण बनाने, निर्यात स्तर की अनुपालन और ब्रांड संरचना स्थापित करने और जनजातीय कला के लिए भारत-उपयुक्त नैतिक व्यापार संहिता तैयार करने पर विचार करना होगा। इन उपायों के माध्यम से, जनजातीय नारंगी अर्थव्यवस्था ग्रामीण क्षेत्रों से उभरकर विकसित भारत ञ्च2047 की यात्रा में शामिल हो जाएगी।

(लेखिका जनजातीय कार्य मंत्रालय में सचिव हैं)
रंजना चोपड़ा

सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन की बन रही नई पहचान

डॉ. दानेश्वरी सम्भाकर

हर वर्ष 1 मई को मनाया जाने वाला अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस श्रमिकों के योगदान को सम्मान देने का अवसर होता है। छत्तीसगढ़ में यह दिवस इसलिए भी खास है, क्योंकि यहां की अर्थव्यवस्था में महिला श्रमिकों की भागीदारी लगातार बढ़ रही है और उनका योगदान पहले से अधिक प्रभावी होता जा रहा है। राज्य के ग्रामीण अंचलों में महिलाएं लंबे समय से कृषि कार्य, वनोपज संग्रहण, तेंदूपत्ता तोड़ने और हस्तशिल्प जैसे कार्यों में सक्रिय रही हैं, वहीं शहरी क्षेत्रों में उनकी उपस्थिति निर्माण कार्य, घरेलू सेवाओं और लघु व्यवसायों में तेजी से बढ़ी है। यह बदलाव केवल रोजगार तक सीमित नहीं है, बल्कि महिलाओं की सामाजिक पहचान और आत्मनिर्भरता को भी नई मजबूती दे रहा है। इसके बावजूद यह भी सच है कि असंगठित क्षेत्र में काम करने वाली महिला श्रमिकों को लंबे समय तक उचित वेतन, सुरक्षित कार्यस्थल और सामाजिक सुरक्षा जैसी मूलभूत सुविधाओं से वंचित रहना पड़ा। वेतन असमानता, सीमित स्वास्थ्य सुविधाएं, मातृत्व लाभों की कमी और पारंपरिक सोच जैसी बाधाएं उनके सामने बनी रहीं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ने इन चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए महिला श्रमिकों के सशक्तिकरण को प्राथमिकता दी है। नई श्रमिक नीतियों के जरिए असंगठित क्षेत्र की महिलाओं के लिए न्यूनतम मजदूरी सुनिश्चित करने और कार्यस्थल पर सुरक्षा मानकों को लागू करने की दिशा में ठोस पहल की गई है। महिला शक्ति केंद्रों को केवल सहायता केंद्र नहीं, बल्कि परामर्श, कानूनी सहयोग और रोजगार मार्गदर्शन के प्रभावी माध्यम के रूप में विकसित किया गया है। वहीं सखी वन स्टॉप सेंटर के जरिए हिंसा से प्रभावित महिलाओं को त्वरित सहायता और पुनर्वास की सुविधा मिल रही है।राज्य में संचालित विभिन्न योजनाएं महिला श्रमिकों के जीवन में सुरक्षा और आत्मनिर्भरता का मजबूत आधार तैयार कर रही हैं। मिनीमाता महतारी जतन योजना के तहत पंजीकृत महिला निर्माण श्रमिकों को प्रसूति के बाद 20 हजार रुपये की सहायता दी जा रही है, जिससे आर्थिक दबाव कम होता है। मुख्यमंत्री सिलाई मशीन सहायता योजना महिलाओं को स्वरोजगार की ओर बढ़ने के लिए प्रोत्साहित कर रही है, जबकि निर्माण मजदूर सुरक्षा उपकरण सहायता योजना कार्यस्थल पर उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करती है। महतारी वंदन योजना के अंतर्गत महिलाओं को प्रतिमाह 1000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जा रही है, जिससे उनकी वित्तीय स्थिति मजबूत हो रही है। दीदी ई-रिक्शा सहायता योजना के तहत 18 से 50 वर्ष आयु वर्ग की पंजीकृत निर्माण महिला श्रमिकों को, जिनका कम से कम तीन वर्षों का पंजीयन है, एक लाख रुपये तक की सहायता देकर उन्हें स्वरोजगार से जोड़ा जा रहा इसके साथ ही राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से स्वयं सहायता समूहों को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे महिलाओं को आय के साधन मिलने के साथ-साथ नेतृत्व क्षमता विकसित करने का अवसर भी मिल रहा है। राज्य सरकार के कौशल विकास कार्यक्रम महिला श्रमिकों को प्रशिक्षण देकर रोजगार से जोड़ रहे हैं। घरेलू कामगारों, ठेका श्रमिकों और हमाल परिवारों के लिए विशेष योजनाएं चलाई जा रही हैं, जबकि सक्षम योजना के जरिए विधवा, परित्यक्ता और तलाकशुदा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का अवसर दिया जा रहा है।आज छत्तीसगढ़ में महिला श्रमिक केवल श्रमशक्ति नहीं रहीं, बल्कि विकास की सक्रिय भागीदार बन चुकी हैं। उनकी भूमिका अब सहायक तक सीमित नहीं।

'पढ़ो, बढ़ो और देश का नाम रोशन करो'पुरंदर मिश्रा का युवाओं को संदेश

रायपुर (विश्व परिवार)। राजधानी रायपुर स्थित लोकभवन (छत्तीसगढ़ मंडपम हॉल) में 29 अप्रैल को संत गोबिंदराम शदाणी कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय की छात्राओं के साथ विद्यार्थी संवाद कार्यक्रम गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम महामहिम राज्यपाल रमेन डेका के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता रायपुर उत्तर के विधायक पुरंदर मिश्रा ने की, वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में संत डॉ साई युधिष्ठिर लाल की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक पुरंदर मिश्रा द्वारा जय श्री राम एवं जय जगन्नाथ के उद्घोष के साथ किया गया, जिससे वातावरण श्रद्धा और ऊर्जा से ओत-प्रोत हो गया। इस अवसर पर विधायक श्री मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा कि राज्यपाल रमेन डेका के पदभार ग्रहण करने के बाद प्रदेश में सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी नीतियों की सराहना करते हुए कहा कि आज देश में महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कार्य हो रहे हैं। उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का उदाहरण देते हुए कहा कि यह पूरे राष्ट्र के लिए गर्व का विषय है। कार्यक्रम में 150 से अधिक छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। छात्राओं ने महामहिम राज्यपाल एवं विधायक पुरंदर मिश्रा से उनके

छात्र जीवन के अनुभव, परीक्षा के तनाव को नियंत्रित करने, दबाव से निपटने और जीवन में लक्ष्य निर्धारण जैसे विषयों पर अनेक प्रश्न पूछे। राज्यपाल रमेन डेका एवं विधायक पुरंदर मिश्रा ने छात्राओं के प्रश्नों का आत्मीयता से उत्तर देते हुए शिक्षा, जीवन मूल्यों, आत्मविश्वास और लक्ष्य प्राप्ति के विषय में महत्वपूर्ण मार्गदर्शन दिया। छात्राओं की जिज्ञासा, उनके सपनों और सीखने की लगन ने सभी को प्रभावित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे मन लगाकर पढ़ाई करें, अपने माता-पिता, क्षेत्र, राज्य और देश का नाम रोशन करें। साथ ही उन्होंने मोबाइल के संतुलित उपयोग पर जोर देते हुए विद्यार्थियों को सलाह दी कि रात 10 बजे के बाद मोबाइल का उपयोग न करें, जिससे मानसिक एकाग्रता और स्वास्थ्य बेहतर बना रहे। कार्यक्रम का स्वागत उद्बोधन प्राचार्या उषा किरण अग्रवाल ने दिया, जबकि कार्यक्रम का संयोजन संजय जोशी द्वारा किया गया। मंच संचालन कविता शर्मा एवं वैशाली गौतम हिरवे ने प्रभावी रूप से किया। कार्यक्रम में जनभागीदारी समिति के सदस्य दर्शन निहाल, सिमरन हिंदुजा, गोपाल सोना, सुरेंद्र छाबड़ा, बंटी गाबड़ा, नंदलाल साहिता सहित महाविद्यालय परिवार के प्राध्यापकगण—डॉ. बी.डी. थदलानी, सिरिल डेनियल, रवि शर्मा, उषा अग्रवाल, रीता शबनम लुका, मनोज राव, भूमिराज पटेल, शीला दुबे एवं अन्य सदस्यगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष सतीश कन्हैयालाल छुगानी ने सभी अतिथियों, छात्राओं एवं आयोजकों का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। यह संवाद कार्यक्रम विद्यार्थियों के आत्मविश्वास को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के साथ-साथ उनके उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रेरणा स्रोत सिद्ध हुआ।

सीजी पीएससी मुख्य परीक्षा की तिथियों में संशोधन युवाओं के हित में लिया गया स्वागतयोग्य निर्णय : टिकरिहा

रायपुर। भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राहुल टिकरिहा ने छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा राज्य सेवा (मुख्य) परीक्षा की तिथियों में किए गए बदलाव का स्वागत किया है। श्री टिकरिहा ने परीक्षा की पूर्व घोषित तिथियों (16, 17, 18 व 19 मई) को संशोधित कर नई तिथियां (6, 7, 8 व 9 जून) घोषित करने के निर्णय को परीक्षार्थियों के हित में बताया है। भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष श्री टिकरिहा ने कहा कि प्रदेश के हजारों अभ्यर्थी लम्बे समय से तैयारी के लिए अतिरिक्त समय की मांग कर रहे थे। भीषण गर्मी और चुनावी व्यस्तताओं के बीच मुख्य परीक्षा की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए यह निर्णय एक बड़ी राहत लेकर आया है। श्री टिकरिहा ने कहा कि परीक्षा तिथियों के आगे बढ़ने से अभ्यर्थियों को मुख्य परीक्षा के विस्तृत पाठ्यक्रम को दोहराने के लिए बहुमूल्य 20 दिनों का अतिरिक्त समय प्राप्त होगा। यह निर्णय दर्शाता है कि वर्तमान प्रशासन युवाओं की जायज मांगों को सुनने और उन पर सकारात्मक कदम उठाने में विश्वास रखता है। श्री टिकरिहा ने विश्वास जताया कि संशोधित तिथियों से परीक्षार्थी मानसिक रूप से अधिक सुदृढ़ होकर परीक्षा में सम्मिलित हो सकेंगे, जिससे प्रदेश को बेहतर प्रशासनिक सेवा अधिकारी प्राप्त होंगे।

ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ

बिलाईगढ़। कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे की अध्यक्षता में ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर संचालन की बैठक कलेक्ट्रेट सारंगढ़ के सभागृह में आयोजित की गई। जिले में खेलकूद एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा 1 मई से 21 मई तक ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन इंडोर स्टेडियम में खेलभाठा मैदान और इनडोर स्टेडियम में किया जायेगा।

कमर्शियल सिलेंडर 5 माह में 1510 रु व 5 किलो वाला सिलेंडर 261 रु महंगा

रायपुर (विश्व परिवार)। कमर्शियल एवं 5 किलो वाले सिलेंडर के दाम में वृद्धि को मोदी सरकार की महंगाई की मार करार देते हुये प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा राज्यो के चुनाव खत्म होते ही मोदी सरकार का असल रूप सामने आ गया है। लोकसभा में नेता प्रति पक्ष राहुल गांधी ने पहले ही सचेत किया था कि चुनाव खत्म होते एलपीजी एवं पेट्रोल डीजल के दाम बढ़ेंगे वो आज सच हो गया है।मोदी सरकार ने महंगाई से जूझ रही जनता एवं मंदी की मार झेल रहीं व्यवसायिक संस्थानो, उद्योगों पर कुठाराघात किया है। कामर्शियल सिलेंडर के दाम में एक मुश्त 993 रु की बढोत्तरी एवं प्रवासी श्रमिको एवं गरीब जनता द्वारा उपयोग किये जाने वाले 5 किलो वाली गैस सिलेंडर के दाम में

261 रु की वृद्धि कर दी है।बीते पांच माह में कामर्शियल सिलेंडर के दाम में 1510 रु की वृद्धि हुई है जनवरी में 111रु फरवरी में 50रु मार्च में दो बार मिलाकर 146 रु अप्रैल मे 218 रु एवं मई में 993 रु की वृद्धि हुई है अब घरेलू गैस एवं पेट्रोल डीजल के दाम में भी वृद्धि की संभावना है।इसका सीधा असर आम जनता , उद्योग,होटल रेस्टोरेंट ढाबा एवं कामर्शियल गैस उपयोग करने वाले संस्त्रथानों पर पड़ेगा। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि एलपीजी में मूल्य वृद्धि का मुख्य कारण पेट्रोलियम कम्पनियों को फायदा पहुँचाना है। आम जनता से लूट कर चंद पूंजीपतियों की तिजोरी को भरना है। एलपीजी एवं डीजल की कमी से उद्योगों में पहले ही उत्पादन 50 प्रतिशत तक गिरा है कई रेस्टोरेंट होटल बंद हो चुके है श्रमिक बेरोजगार हो गये है डीजल की कमी के चलते ट्रांसपोर्ट वाहन एवं डीजल से चलने वाले व्यवसायिक संस्थान बंद पड़े है ऐसे में ये बढोत्तरी मंदी की मार झेल रही उद्योग एवं रोजगार संकट से जूझ रहे अकुशल कुशल श्रमिक होटल रेस्टोरेंट में काम करने वाले कर्मचारियों पर रोजगार संकट की काली छाया है। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि केंद्र सरकार को जनहित में एलपीजी के दामों में की गई ।

भावना बोहरा के नेतृत्व में पंडरिया विधानसभा के क्षेत्रों में विकास को मिली रफ्तार

पंडरिया (विश्व परिवार)। विधायक भावना बोहरा के प्रयासों व सक्रियता से विधानसभा के नगरीय निकाय क्षेत्रों में जनसुविधाओं के विस्तार एवं विभिन्न अधोसंरचना निर्माण सहित स्वच्छता व जल प्रबंधन की परियोजनाओं के लिए बड़ी सौगात मिली है। नगर पालिका परिषद पंडरिया एवं नगर पंचायत इन्दौरी व पांडातराई में राज्य शहरी अभिकरण, अधोसंरचना मद तथा राज्य प्रवर्तित योजना एवं खनिज साधन विभाग के माध्यम से गौण खनिजों से प्राप्त राशि से पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत 8 करोड़ 3 लाख 67 हजार रुपए की स्वीकृति मिली है। इसके तहत नगर पंचायत पांडातराई में राज्य शहरी अभिकरण,छत्तीसगढ़ द्वारा स्वच्छ भारत मिशन (शहरी-2.0) के अंतर्गत इंटरसेप्शन एवं डायवर्सन ड्रेन सहित (एसटीपी) निर्माण के लिए 3 करोड़ 6 लाख 88 हजार रु तथा नगर पालिका पंडरिया एवं नगर पंचायत इंदौरी और पांडातराई में अधोसंरचना मद तथा राज्य प्रवर्तित योजना के अंतर्गत ?3 करोड़ 36 लाख 79 हजार की स्वीकृति मिली है। वहीं पंडरिया विधानसभा के 8 ग्राम पंचायतों में नवीन पंचायत भवन निर्माण हेतु कुल 1 करोड़ 60 लाख रुपए की स्वीकृति मिली है। इस सौगात के लिए पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी, उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव जी एवं भाजपा सरकार के प्रति आभार व्यक्त कर नगरवासियों को बधाई दी। विदित हो की उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव जी के पंडरिया प्रवास के दौरान विधायक भावना बोहरा

द्वारा नगरीय निकाय क्षेत्रों में विभिन्न विकास कार्यों की स्वीकृति के लिए आग्रह किया गया था जिसके तहत श्री अरुण साव जी द्वारा नगर पंचायत इन्दौरी व पांडातराई में 1-1 करोड़ के विकास कार्यों की घोषणा की गई थी और आज उन्हें स्वीकृति प्रदान की गई है। इस अवसर पर विधायक भावना बोहरा ने कहा कि राज्य शहरी अभिकरण,छत्तीसगढ़ द्वारा स्वच्छ भारत मिशन (शहरी-2.0) के अंतर्गत नगर पंचायत पांडातराई में इंटरसेप्शन एवं डायवर्सन ड्रेन सहित एसटीपी निर्माण के लिए ?3 करोड़ 6 लाख 88 हजार की स्वीकृति क्षेत्र के समग्र विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह परियोजना नगर की नालियों के गंदे पानी का प्रबंधन सुनिश्चित करते हुए न केवल स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ करेगी, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और जनस्वास्थ्य को भी मजबूती प्रदान करेगी। इसके माध्यम से शहर में गंदगी और जलभराव की समस्या में कमी आएगी, प्राकृतिक जलस्त्रोत एवं अन्य जलस्त्रोतों को प्रदूषण से राहत मिलेगी और नगर स्वच्छ तथा नगरवासी का बेहतर स्वास्थ्य सुनिश्चित होगा। उन्होंने कहा कि आज डबल इंजन भाजपा सरकार में पंडरिया विधानसभा में विकास के नए आयाम लगातार स्थापित हो रहे हैं। नगर पालिका पंडरिया एवं नगर पंचायत इंदौरी और पांडातराई में अधोसंरचना मद तथा राज्य प्रवर्तित योजना के अंतर्गत ?3 करोड़ 36 लाख 79 हजार की स्वीकृति से नगरवासियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी, वहीं अधोसंरचना मद के अंतर्गत इंदौरी में दुकानों का निर्माण, मांगलिक भवन और मुक्तिधाम उन्नयन जैसे कार्य स्थानीय रोजगार, सामाजिक आयोजनों और

मूलभूत सुविधाओं को नई मजबूती देंगे। यह विकास कार्य डबल इंजन भाजपा सरकार द्वारा नगरीय निकाय क्षेत्रों के समग्र विकास के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने आगे कहा कि हर नगर और हर नागरिक की मूलभूत सुविधाओं का विस्तार व क्षेत्र का विकास ही हमारा लक्ष्य है।

तीर्थंकर भगवान धर्म तीर्थ के प्रवर्तक है, तो श्रावक दान तीर्थ के प्रवर्तक : मुनि श्री प्रमाणसागर जी

गिरीडीहं (विश्व परिवार)। पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के पांचवे दिवसगुणायतन में ज्ञान कल्याणक का भव्य आयोजन संपन्न हुआ, गुरु महिमा और दान की महत्ता पर मुनि श्री प्रमाणसागर महाराज ने प्रेरणा दायी उद्ववोधन देते हुये कहा कि प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में एक योग्य गुरु का होना अत्यंत आवश्यक है। गुरु ही वह पथ प्रदर्शक हैं, जो अज्ञान के अंधकार को दूर कर सत्य, संयम और साधना के मार्ग पर अग्रसर करते हैं। उन्होंने कहा कि हम सभी अत्यंत भाग्यशाली हैं, जिन्हें आचार्य गुरुदेव विद्यासागर महाराज जैसे महान संत का सान्निध्य प्राप्त हुआ।अपने उद्बोधन में मुनि श्री ने कहा कि गुरु के बिना जीवन की दिशा स्पष्ट नहीं हो सकती। उन्होंने

स्वयं को सौभाग्यशाली बताते हुए कहा कि आचार्य भगवन ने उन्हें भगवान आदिनाथ से लेकर भगवान महावीर तक की जिन परंपरा की प्रभावना हेतु चुना और वे पिछले 38 वर्षों से समाज में संयम, साधना और आत्मकल्याण का संदेश प्रसारित कर रहे हैं। मुनि श्री ने अक्षय तृतीया के प्रसंग का उल्लेख करते हुए बताया कि मुनि श्री ऋषभसागर महाराज ने दीक्षा के पश्चात छह माह की कठोर साधना और निरंतर उपवास किया। उचित विधि से आहार न मिलने के कारण उनका उपवास छह माह तेरह दिन अंतराय के कारण और चला। अंततः 378वें दिन राजा श्रेयांस को पूर्व जन्म के पुण्य से आहार विधि का ज्ञान हुआ और उन्होंने इच्छुरस से मुनिराज का पारणा कराया। इसी घटना के कारण यह तिथि अक्षय तृतीया के रूप में प्रसिद्ध हुई तथा राजा श्रेयांस को दानतीर्थ शिरोमणि की उपाधि प्राप्त हुई।उन्होंने स्पष्ट किया कि तीर्थंकर जहाँ धर्मतीर्थ का प्रवर्तन करते हैं, वहीं श्रावक दानतीर्थ का प्रवर्तन करते हैं। दान और धर्म दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं—जब तक दान की प्रवृत्ति नहीं होगी, तब तक धर्म की स्थापना संभव नहीं है।

मुनि श्री ने यह भी बताया कि भगवान आदिनाथ से लेकर भगवान महावीर तक सभी 24 तीर्थंकरों ने दीक्षा के पश्चात श्रावकों से आहार ग्रहण किया तत्पश्चात उनको केवलज्ञान की प्राप्ती हुई।

गर्मी से राहत देने ब्राह्मण समाज ने पिलाया स्वास्थ्य वर्धक मठा, लोगों ने जमकर सराहना

आरंग (विश्व परिवार)। सोमवार को गौ सम्मान आह्वान अभियान के तहत नगर में विशाल पदयात्रा निकालकर तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा गया। वहीं ब्राह्मण समाज आरंग द्वारा भीषण गर्मी को देखते हुए पदयात्रा में शामिल विशाल जनसमुदाय को स्वास्थ्य वर्धक मठा वितरण किया गया। तत्पश्चात बस स्टैंड पहुंचकर सैकड़ों राहगीरों को भी मठा वितरण किया। वही श्रीसार्वजनिक नव दुर्गा उत्सव समिति महामाया पारा आरंग द्वारा गौ माता की प्रसादी खिचड़ी तथा समाजसेवी यमंक पन्नालाल चंद्राकर ने आमरस वितरण किया। चिलचिलाती धूप और भीषण गर्मी में लोगों ने खिचड़ी,

मठा और आमरस से बना पना का जमकर लुत्फ उठाया। ब्राह्मण समाज और दुर्गोत्सव समिति द्वारा माननीय सरोकार पर इस पहल को लोगों ने जमकर सराहा।

पट्टाचार्य श्री विशुद्धसागरजी महाराजजी का प्रथम पट्टाचार्य दिवस मांगूर में सारस्वत सागर जी, जयंत सागर जी एवं सिद्ध सागर महाराज जी के सानिध्य में मनाया

मांगूर (कर्नाटक) (विश्व परिवार)। अभिजीत इंग्रोळे, मांगूर ने बताया की पट्टाचार्य श्री विशुद्धसागरजी महाराजजी का प्रथम पट्टाचार्य दिवस मांगूर में मुनि श्री सारस्वत सागर जी महाराज , मुनि श्री जयंत सागर जी महाराज एवं मुनि श्री सिद्ध सागर जी महाराज जी के सानिध्य में मनाया गया। आचार्य श्री विरागसागर महाराज जी के सुशिष्य, आध्यात्म योगी, चर्या शिरोमणी, वितरागी श्रमण - संस्कृति के आध्यात्मिक सद्गुरू दिगंबराचार्य का नाम है - श्री विशुद्धसागरजी महाराज । भारत कि पावन वसुंधरा पर अनेकों ऋषी मुनीयों ने अपनी पवन चरण धुलि से इस वसुमती को परम पवित्र किया है और समाज को एक नई दिशा प्रदान कि है 7 इसी शृंखला में इक्कीसवीं सदी के एक दूर - दृष्टा, युवाओं के प्रेरणा पुंज, आगमनुसार आचरण कर के जन - जन को सद् - बोध देने वाले आध्यात्मिक गुरू पट्टाचार्य श्री विशुद्धसागरजी

महाराज द्वारा वर्तमान में कि गई धर्मप्रभावना समाज के समक्ष उपस्थित है । सत्य,अहिंसा, मैत्री, जियो और जिने दो के साथ आचार्य विरागसागर महाराज जी के चमकते सितारे आचार्य श्री विशुद्धसागर महाराज जी का मुख्य नारा नमोस्तु शासन जयवंत हो है । चर्या शिरोमणी आचार्य भगवन श्री विशुद्धसागर जी महाराज का जन्म मध्य प्रदेश के भिंड में 18 दिसम्बर 1971 को हुआ 7 आपका गृहग्राम रूर है, जहाँ आपकी प्राथमिक शिक्षा दसवीं तक संपन्न हुई थी 7

क्षुल्लक दीक्षा- राजेंद्र (लला) ने आचार्य विराग सागर महाराज जी के कर कमलो से दिनांक 11 अक्टूबर 1989 को भिंड में भव्य क्षुल्लक दीक्षा ग्रहण की। उनका नाम रखा गया क्षुल्लक श्री यशोधर सागर जी 7 इस समय इनकी आयु 18 वर्ष की थी।

ऐलक दीक्षा- परम पूज्य क्षुल्लक श्री यशोधर सागर जी ने आचार्य विराग सागर महाराज जी के कर कमलो से 2 वर्ष बाद दिनांक 19 जून 1991 को भव्य ऐलक दीक्षा पन्ना नगर में ग्रहण की 7

मुनि दीक्षा - ऐलक दीक्षा के 6 माह बाद ही परम पूज्य ऐलक श्री यशोधर सागर महाराज जी ने 20 वर्ष की आयु में अपने गुरुवर आचार्य श्री विराग सागर महाराज से श्रेयांस गिरी में दिनांक 21-11-1991 को भव्य मुनि दीक्षा ग्रहण की 7 और नाम रखा गया मुनि श्री 108 विशुद्धसागर जी महाराज ।

आचार्य पदारोहण - परम पूज्य आचार्य श्री विरागसागर महाराज जी ने आपकी योग्यता को परखकर औरंगाबाद (महाराष्ट्र) में दिनांक 31 मार्च 2007 को महावीर जयंती के पावन दिवस पर विशुद्धसागर महाराज जी को परम पूज्य आचार्य श्री विराग सागर जी के कर कमलो से आचार्य पद प्रदान किया 7 मुनि दीक्षा के 15 वर्ष 6 माह बाद 35 वर्ष की आयु में आचार्य पद पर प्रतिष्ठित किया गया। विशुद्ध परम भक्त श्री अभिषेक अशोक पाटील, कोल्हापुर।

रानी पद्मावती के नाम पर रेलपुल का नामकरण की मांग

आरंग (विश्व परिवार)। बुधवार को पूर्व तट रेलवे के संबलपुर डिवीजन की डीआरयू सीसी की मीटिंग डीआर एम सुभाषचंद्र चौधरी की अध्यक्षता तथा सीनियर डीसीएम गरिमा तिवारी के संचालन एवं संभाग स्तरीय रेलवे अधिकारियों की उपस्थिति में संपन्न हुआ। मीटिंग में डीआर यूसीसी सदस्य डॉ विश्वनाथ पाणिग्राही ने स्वयंसेवी संस्था पीपला वेलफेयर फाउंडेशन एवं समस्त नगर व क्षेत्र वासियों की मांग पर आरंग नदीमोंड के बीच महानदी पर बनी नए रेल पुल का नाम 卐रानी पद्मावती卐 के नाम से नामकरण करने की मांग को तर्क संगत प्रमुखता से रखा।जिस पर उपस्थित सदस्यों ने राजा मोरध्वज की धर्मपत्नी रानी पद्मावती के नाम पर करने के प्रस्ताव पर निर्णय दिया कि ऐसा कोई प्रावधान नहीं है तभी डॉ

पाणिग्रही ने अपनी मांग के समर्थन में तर्क देते हुए कहा देश में अनेक रेल पुलों के नाम स्वामी विवेकानंद , महात्मा गांधी , डॉ राजेंद्र प्रसाद ,पंडित जवाहर लाल नेहरू ,सहित अन्य महापुरुषों के नाम पर पूर्व में रेलवे ने नामकरण किया है।साथ ही महादानी राजा मोरध्वज और रानी पद्मावती से जुड़ी मार्मिक कहानी सबके समक्ष प्रस्तुत किया और नए रेलपुल का नाम रानी पद्मावती के नाम पर प्रस्तावित कर उच्च कार्यालय भेजने को कहा। जिसपर सभी उपस्थित सदस्यों ने समर्थन देते

प्रस्ताव को पूर्व तट रेलवे मुख्यालय भुनेश्वर भेजने का निर्णय लिया। साथ ही कोमाखान में ओवर ब्रिज बनाने ,समता एक्सप्रेस को हरिद्वार तक बढ़ाने , पुरी एल टी टी का बागबाहरा स्टॉपेज सहित अनेक मांग व प्रस्ताव भी रखा। जिसे रेल अधिकारियों ने हेड कार्यालय भेजने की सहमति दी।

डर से विकास तक : जाटलूर में उम्मीदों का नया साप्ताहिक बाजार

नारायणपुर। जिले के घने जंगलों के बीच बसा अबुझमाड़ कभी डर और अनिश्चितता का पर्याय था। यहां की खामोशी में अक्सर बंदूकों की आवाज गूंजती थी, और लोगों का जीवन भय के साये में सिमटकर रह गया था। लेकिन वक्त ने करवट ली और वही इलाका एक नई कहानी लिख रहा है। कलेक्टर नम्रता जैन के भ्रमण के दौरान ग्रामीणों ने स्थानीय स्तर पर बाजार लगाने की मांग रखी थी। कलेक्टर ने इस मांग को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र ही साप्ताहिक बाजार शुरू कराने का आश्वासन दिया था। ओरछा विकासखंड के दूरस्थ ग्राम जाटलूर में अब हर शनिवार साप्ताहिक हाट बाजार लगने लगा है, जिससे क्षेत्र के ग्रामीणों को बड़ी राहत मिली है। प्रशासन की पहल के बाद अब जाटलूर में नियमित रूप से शनिवार को हाट बाजार सजने लगा है। जहां पहले सन्नाटा पसरा रहता था, वहां अब बाजार की चहल-पहल देखने को मिल रही है। आसपास के गांवों से ग्रामीण यहां पहुंचकर अपनी जरूरत का सामान खरीद रहे हैं। बाजार में रंग-बिरंगी दुकानों के साथ ताजी सब्जियां, दैनिक उपयोग की वस्तुएं और अन्य जरूरी सामान उपलब्ध हो रहे हैं। इस पहल से न केवल ग्रामीणों को दूर मुख्यालय जाने से राहत मिली है, बल्कि स्थानीय स्तर पर आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिला है। कुछ समय पहले तक आसपास के आठ गांवों के करीब 75 परिवारों को अपने जरूरी सामान के लिए दूर मुख्यालय तक जाना पड़ता था। सफर लंबा था, रास्ता मुश्किल और खतरे से भरा। लेकिन अब जाटलूर में ही बाजार लगने से उनकी जिंदगी आसान हो गई है। करीब 320 ग्रामीणों के लिए यह सिर्फ बाजार नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता और बदलाव की शुरुआत है। इस परिवर्तन की नींव बने हैं सरकार द्वारा स्थापित नए पुलिस कैंप। इन कैंपों ने केवल सुरक्षा ही नहीं दी, बल्कि लोगों के मन से डर को भी दूर किया। जहां पहले लोग घरों से निकलने में हिचकते थे, अब वहीं वे खुले मन से व्यापार कर रहे हैं, आपस में मिल रहे हैं और भविष्य के सपने देख रहे हैं। धीरे-धीरे सरकारी योजनाएं भी इन दूरस्थ गांवों तक पहुंचने लगी हैं। सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा और आजीविका से जुड़ी सुविधाएं अब लोगों के जीवन को बदल रही हैं। जाटलूर का यह छोटा-सा बाजार इस बात का प्रतीक बन गया है कि जब सुरक्षा और विकास साथ चलते हैं, तो सबसे दूर और चुनौतीपूर्ण इलाके भी नई उम्मीदों से जगमगा उठते हैं।

विकास नगर स्टेडियम के पास प्लाईवुड के ढेर में लगी आग, स्थानीय लोगों की सूझबूझ से बड़ा हादसा टला

कोण्डागांव। जिला मुख्यालय कोण्डागांव के विकास नगर स्टेडियम के समीप दोपहर बाद प्लाईवुड के ढेर में अचानक आग लग गई। आग की लपटें उठती देख आसपास बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, स्थानीय निवासी परमजीत संघे ने सबसे पहले सामुदायिक भवन के बोरवेल से पानी लाकर आग बुझाने का प्रयास किया और काफी हद तक आग पर काबू पाया। इसके बाद अन्य लोगों ने भी सहयोग करते हुए राहत कार्य में हिस्सा लिया। सूचना मिलते ही दमकल विभाग, नगर पालिका और सिटी कोतवाली पुलिस की टीम मौके पर पहुंची तथा आग पर पूरी तरह नियंत्रण पाया। बताया जा रहा है कि यह प्लाईवुड मेला में जलपरी शो संचालित करने पहुंचे व्यापारी का था, जिसे मेला समाप्त होने के बाद वहीं छोड़ दिया गया था। फिलहाल आग लगने के वास्तविक कारणों का पता नहीं चल पाया है। सिटी कोतवाली पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। स्थानीय लोगों की तत्परता और प्रशासन की सकियता से बड़ा नुकसान टल गया।

संजय बाजार में श्रमिकों का सम्मान, गरिमापूर्ण ढंग से मनाया गया मजदूर दिवस

जगदलपुर (विश्व परिवार)। शहर के संजय बाजार व्यापारी कल्याण संघ द्वारा मजदूर दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें श्रमिकों के योगदान को सराहा गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बस्तर सांसद महेश कश्यप जी, नगर निगम महापौर संजय पांडे जी एवं विश्व हिंदू परिषद के प्रांत मंत्री रवि ब्रह्मचारी जी शामिल हुए। सभी अतिथियों ने श्रमिकों की मेहनत और समाज में उनके महत्वपूर्ण योगदान की सराहना करते हुए उन्हें सम्मानित किया।

इस अवसर पर संजय बाजार व्यापारी कल्याण संघ के अध्यक्ष पंकज सिंघल जी, सचिव विष्णु ठाकुर जी, व्यापारी नेता सचिन हरीश नवानी जी सहित बड़ी संख्या में व्यापारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि श्रमिक समाज की रीढ़ होते हैं और उनके बिना किसी भी क्षेत्र का विकास संभव नहीं है। कार्यक्रम के अंत में सभी ने श्रमिकों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

हायर सेकेण्डरी स्कूल बड़े मोराठपाल के स्थानीय परीक्षा परिणाम घोषित

जगदलपुर। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयबड़े मोरठपाल, विकासखंड तोकापाल में कक्षा 9वीं एवं 11वीं का वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया गया। परिणाम घोषित होते ही विद्यालय में उत्साह का माहौल रहा। कक्षा 11वीं वाणिज्य संकाय में कनकदेई ने 88.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि कांति बघेल 71.6 प्रतिशत के साथ द्वितीय स्थान पर रहीं। विज्ञान संकाय में कामिनी सेठिया ने 91.6 प्रतिशत अंक अर्जित कर प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा पिंकी कश्यप 90.2 प्रतिशत के साथ द्वितीय स्थान पर रहीं। कृषि संकाय में पूरन सेठिया 80.6 प्रतिशत के साथ प्रथम एवं प्रतिमा 79.6 प्रतिशत के साथ द्वितीय स्थान पर रहीं। वहीं कक्षा 9वीं में यशोदा बघेल ने 76.83 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। बलमन नाग 75.5 प्रतिशत के साथ द्वितीय तथा दिनेश कुमार 73.8 प्रतिशत अंक लेकर तृतीय स्थान पर रहे। विद्यालय के प्राचार्य एवं शिक्षकों ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी परीक्षा परिणाम घोषित कक्षा 10वीं में नारायणपुर को राज्य में दूसरा स्थान

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा 29 अप्रैल 2026 को हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी परीक्षा वर्ष 2026 के परीक्षा परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। जिले के विद्यार्थियों ने इस वर्ष उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राज्य स्तर पर उल्लेखनीय स्थान प्राप्त किया है। जिले के कुल 16 परीक्षा केंद्रों में आयोजित कक्षा 10वीं की परीक्षा में कुल 1547 परीक्षार्थी दर्ज थे, जिनमें से 1523 विद्यार्थी परीक्षा में उपस्थित हुए तथा 24 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। कक्षा 10वीं का कुल परीक्षा परिणाम 94.80 प्रतिशत रहा। इसमें बालकों का परिणाम 95.09 प्रतिशत तथा बालिकाओं का परिणाम 94.53 प्रतिशत दर्ज किया गया। उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर जिला नारायणपुर ने राज्य में दूसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं कक्षा 12वीं की परीक्षा में कुल 1368 परीक्षार्थी दर्ज थे, जिनमें से 1365 विद्यार्थी उपस्थित हुए तथा 3 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे।

12वीं बोर्ड में सालेहा पारेख ने किया कमाल 95 प्रतिशत अंकों के साथ जिले में टॉप

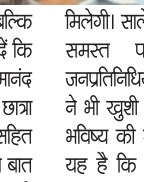

केशकाल। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा घोषित कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षा के परिणाम में केशकाल की छात्रा सालेहा पारेख ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जिले में प्रथम स्थान हासिल किया है। उन्होंने 95 प्रतिशत अंक प्राप्त कर न केवल अपने स्कूल, बल्कि पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। बता दें कि सालेहा पारेक पीएम श्री स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल, केशकाल की छात्रा हैं। उनकी इस सफलता से विद्यालय सहित पूरे नगर में खुशी का माहौल है। खास बात यह है कि सालेहा ने इससे पहले कक्षा 10वीं में भी जिले में प्रथम स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया था। सालेहा, केशकाल के पत्रकार इमरान पारेख की पुत्री हैं। उनकी इस उपलब्धि पर परिवार, शिक्षकगण और शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। सालेहा की इस सफलता को उनकी मेहनत, अनुशासन और लगातार बेहतर प्रदर्शन का परिणाम माना जा रहा है। उनकी उपलब्धि से अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरणा मिलेगी। सालेहा पारेक की इस उपलब्धि पर समस्त पत्रकार साथियों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने भी खुशी जाहिर करते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं। खास बात यह है कि इस बार भी पीएम श्री स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल में पूरी तरह छात्राओं का दबदबा रहा। जिले के टॉप 10 में छात्रा सलीमा पिता गुड्डूराम ने 92.80, आएशा खातून मेमन पिता मो. आवेश ने 91.60, नाजिश फातिमा पिता शब्बीर मेमन ने 91.20 अंक हासिल कर जिले का मान बढ़ाया है।

ज्ञान भारतम् अभियान के अंतर्गत ग्राम बड़े कनेरा में मिली प्राचीन पांडुलिपियां

कोंडागांव। राज्य शासन के निर्देशानुसार जिले में ÷ज्ञान भारतम् अभियान÷ के अंतर्गत पांडुलिपि (हस्तलिखित ग्रंथ) सर्वेक्षण कार्य निरंतर जारी है। इसी क्रम में कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना द्वारा आज ग्राम बड़े कनेरा का भ्रमण किया गया। इस दौरान कलेक्टर पन्ना ने ग्राम बड़े कनेरा निवासी रामूराम यादव के घर पर पहुंचकर लगभग 150 वर्ष पुरानी उड़िया भाषा में लिखित लगभग 08 प्राचीन पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण कराया। उन्होंने यादव से इन पांडुलिपियों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की तथा उन्हें वर्षों से सुरक्षित संरक्षित रखने के लिए सराहना की।

पुनर्वासितों की ट्रैक्टर प्रशिक्षण से नई जिंदगी की शुरुआत

बंदूक से बदलाव तक

नारायणपुर। जिले में स्थापित पुनर्वास केंद्र, लाइवलीहुड कॉलेज नारायणपुर, आत्मसमर्पित नक्सलियों के लिए एक नई उम्मीद का केंद्र बन चुका है। यहां न केवल उन्हें सुरक्षा और आश्रय मिल रहा है, बल्कि उन्हें समाज से जोड़ने और आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण पहल भी की जा रही हैं। जिन्होंने कभी बंदूक का रास्ता अपनाया था, लेकिन आज वही लोग मुख्यधारा में लौटकर सम्मानजनक और आत्मनिर्भर जीवन जीने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। इसी क्रम में प्रशासन द्वारा पुनर्वासित लोगों को शासकीय सेवाओं का लाभ दिलाने की दिशा में ठोस कदम उठाए गए हैं। हाल ही में 8 पुनर्वासित लोगों को वोटर आईडी कार्ड बनाकर वितरित किए गए, जिससे वे लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा बन सके। इसके अलावा 25 लोगों का ऑनलाइन पंजीयन किया गया और 40 लोगों के फॉर्म-6 भरवाए गए। यह पहल केवल दस्तावेज बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उन्हें एक पहचान देने और समाज में बराबरी का अधिकार दिलाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। कलेक्टर नम्रता जैन के पुनर्वास केंद्र के निरीक्षण के दौरान एक ऐसा दृश्य देखने को मिला, जिसने इस बदलाव को और भी गहराई से दर्शाया। यहां मौजूद 40 पुनर्वासित आत्मसमर्पित नक्सलियों ने उनसे एक विशेष मांग रखी कि वे ट्रैक्टर चलाना सीखना चाहते थे, साथ ही ट्रैक्टर की मरम्मत और रखरखाव का प्रशिक्षण भी लेना चाहते थे। यह मांग इसलिए भी खास थी क्योंकि इनमें से कई लोग ऐसे थे, जिन्होंने अपने जीवन में कभी साइकिल तक नहीं चलाई थी। कलेक्टर नम्रता जैन ने इस मांग को गंभीरता से लिया और बिना किसी देरी के तत्काल कार्रवाई करते हुए सोमवार से ही प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करवा दिया। अब ये सभी लोग नियमित रूप से प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं, जिसमें उन्हें ट्रैक्टर चलाने की बारीकियां, उसकी तकनीकी जानकारी, मरम्मत और रखरखाव के तरीके सिखाए जा रहे हैं। यह प्रशिक्षण केवल एक कौशल विकास कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह उनके जीवन को नई दिशा देने का माध्यम बन रहा है। ट्रैक्टर चलाना सीखने के बाद वे खेती-किसानी, परिवहन या अन्य कार्यों के माध्यम से अपनी आजीविका कमा सकेंगे। इससे न केवल उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, बल्कि वे आत्मसम्मान के साथ समाज में अपनी नई पहचान भी बना सकेंगे। इन पुनर्वासित लोगों के जीवन में स्पष्ट बदलाव देखा जा सकता है। जहां पहले उनके जीवन में अस्थिरता और डर था, वहीं अब उनके चेहरों पर आत्मविश्वास, संतोष और भविष्य के प्रति उम्मीद दिखाई देती है। वे राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित हो रहे हैं और धीरे-धीरे एक सामान्य नागरिक की तरह जीवन जीने की ओर अग्रसर हैं। नारायणपुर का यह पुनर्वास केंद्र अब केवल एक पुनर्वास स्थल नहीं रहा, बल्कि यह परिवर्तन, विश्वास और नई शुरुआत का प्रतीक बन गया है। यह साबित करता है कि यदि सही दिशा, अवसर और सहयोग मिले, तो कोई भी व्यक्ति अपने अतीत को पीछे छोड़कर एक उज्ज्वल भविष्य की ओर बढ़ सकता है।

अमृत मिशन : पाइपलाइन टेस्टिंग से लीकेज, जल्द शुरू होगी अमृत मिशन पेयजल आपूर्ति

जगदलपुरः- शहर में अमृत मिशन योजना को धरातल पर उतारने का कार्य जारी है। पिछले शासन के कार्यकाल की बिछाई गई पाइपलाइनों की वर्तमान में टेस्टिंग की जा रही है। इस प्रक्रिया के दौरान लाल चर्च के पास, स्व महेंद्र कर्मा बंगला, पुराना बस स्टैंड के पास के स्थानों पर पानी का बहाव देख नागरिकों में भ्रम की स्थिति बन रही थी, जिस पर महापौर संजय पांडे ने स्थिति स्पष्ट करते हुए बताया कि नियमित पानी की आपूर्ति जारी है तथा शहरवासियों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है।

महापौर ने बताया कि पाइपलाइन बिछाते समय एयरवॉल और टी-पॉइंट के लिए कुछ स्थान खाली छोड़े जाते हैं। टेस्टिंग के दौरान इन स्थानों से पानी का बाहर आना एक सामान्य तकनीकी प्रक्रिया है। इन बिंदुओं पर एयरवॉल लगाने का कार्य प्रगति पर है और पूरानी पाइपों का सुधार जारी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह कोई पाइपलाइन फटने या खराबी का मामला नहीं है।

लेटलतीफी के कारण योजना में हुआ विलंब- महापौर संजय पांडेय ने नरेंद्र मोदी की इस महत्वाकांक्षी योजना के बारे में जानकारी देते हुए बताया की योजना के लिए लगभग 100 करोड़ रुपये स्वीकृत हुए थे जो पूर्ववर्ती सरकारों और एजेंसियों की लेटलतीफी के कारण योजना में विलंब हुआ7

वर्ष 2021-22 में (कांग्रेस शासनकाल के दौरान) नई एजेंसी को काम दिया गया, लेकिन वह भी समय पर कार्य पूरा नहीं कर सकी।

नई सरकार के प्रयासों से कार्य में आई तेजी- राज्य में भाजपा सरकार के गठन के बाद जगदलपुर विधायक किरण सिंह देव के सहयोग से योजना को पुनर्जीवित किया गया है। वर्तमान में इंटेक वेल, ट्रीटमेंट प्लांट और सप्लाई लाइन की सफाई व टेस्टिंग का काम चल रहा है। टेस्टिंग के दौरान सामने आ रही तकनीकी त्रुटियों को तत्काल सुधारने के निर्देश निर्माण एजेंसी को दिए गए हैं।

प्रथम चरण में 12-13 वार्डों को मिलेगा लाभ- महापौर ने आश्वस्त किया है कि इस टेस्टिंग प्रक्रिया से शहर की नियमित पेयजल व्यवस्था पर कोई विपरीत प्रभाव नहीं पड़ेगा। ?टेस्टिंग और गुणवत्ता परीक्षण पूर्ण होते ही प्रथम चरण में शहर के 12 से 13 वार्डों में नियमित जल आपूर्ति शुरू कर दी जाएगी। हमारा लक्ष्य हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाना है।

निरीक्षण के दौरान एमआईसी सदस्य निर्मल पाणिग्रही, सुरेश गुप्ता, लक्ष्मण झा, संग्राम सिंह राणा, संजय विश्वकर्मा, पार्षद नरसिंह राव, नगर निगम आयुक्त प्रवीण कुमार वर्मा सहित विभाग के अधिकारी और निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

कार्यालय कलेक्टर, जिला-बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.) एवं पदेन उप सचिव, छ.ग. शासन राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

:: प्रारंभिक अधिसूचना ::

क्रमांक-/94/भू-अर्जन / 2026 / बलौदाबाजार-भाटापारा, दिनांक 16/04/2026

चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि नीचे अनुसूची के कॉलम क्रमांक-1 से 5 में दर्शित भूमि की अनुसूची के कॉलम 7 में दर्शित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है, अतः भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 (जिसे एतद् पश्चात अधिनियम 2013 कहा जायेगा) की धारा-11 की उपधारा (1) के उपबंधों के अनुसार सभी व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है, कि राज्य शासन एतद् द्वारा अनुसूची के कॉलम क्रमांक-6 में उल्लेखित प्राधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा-12 के अंतर्गत दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता हूँ।

भूमि का प्रकार					धारा 12 द्वारा प्राधिकृत अधिकारी		सार्वजनिक प्रयोजन का विवरण
जिला	तहसील	ग्राम/प.ह.नं.	खसरा नं	क्षेत्रफल (हे. में)			
1	2	3	4	5	6		7
बलौदाबाजार - भाटापारा	सिमगा	ग्राम-बनसांकरा प.ह.नं.-13			कार्यपालन अभियंता, म.ज.प. डिसनेट संभाग क्रमांक 3 तिल्दा-नेवरा जिला-रायपुर (छ.ग.)		सिमगा वितरक नहर के माईनर क्रमांक-06 नहर निर्माण हेतु
खसरा	क्षेत्रफल	खसरा	क्षेत्रफल	खसरा	क्षेत्रफल	खसरा	क्षेत्रफल
198	0.060	2112	0.170	2509/1	0.020	2359	0.020
219	0.100	2114	0.060	2266	0.030	2380	0.010
199	0.060	2115	0.060	2267	0.010	2376	0.010
205	0.010	2116	0.030	2272	0.040	2381	0.010
200	0.140	2151	0.010	2273	0.030	2424	0.020
201	0.140	2155	0.020	2274	0.010	2425	0.010
2125	0.080	2156	0.090	2277	0.010	2426	0.010
202	0.180	2173	0.020	2278	0.030	2427	0.010
203	0.040	2181	0.040	2313/2	0.020	2428	0.090
204	0.040	2182	0.010	2339/1	0.010	2429/1	0.010
211	0.010	2184/1	0.004	2342	0.030	2463	0.010
218	0.010	2184/2	0.004	2340	0.010	2464	0.180
221	0.080	2184/3	0.004	2341/1	0.010	2476	0.010
222	0.100	2184/4	0.008	2341/2	0.050	2465	0.010
229	0.010	2223/2	0.010	2343	0.020	2467/1	0.060
234	0.040	2224	0.050	2344/1	0.020	2467/2	0.040
233	0.010	2225	0.010	2351	0.010	2467/3	0.010
939	0.090	2226	0.010	2352	0.010	2485/1	0.020
940	0.090	2227	0.010	2353	0.010	2485/2	0.010
941	0.100	2229	0.010	2357	0.010	2486	0.010
968	0.010	2261	0.010	2358/1	0.020	-	-
2100	0.010	2262	0.020	2379	0.010	-	-
2101/2	0.120	2263/3	0.030	2358/2	0.020	-	-
				कुल योग :- 89 नग खसरा			रकबा 3.220 हेक्ट

2. यह भी सूचित किया जाता है कि उपरोक्त भूमि में से कोई भी हितबद्ध व्यक्ति इस आषय के प्रकाशन की तिथि के 60 दिवस के भीतर अर्जित की जाने वाली भूमि के क्षेत्रफल एवं उपयुक्तता, लोक प्रयोजन के औचित्य तथा सामाजिक समाघात निर्धारण के निष्कर्षों के बारे में अपना दावा / आपत्ति लिखित में कलेक्टर को स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से अधिनियम, 2013 की धारा 15 की उपधारा (1) के अंतर्गत प्रस्तुत कर सकेगा।
3. भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (रा.) एवं भू-अर्जन अधिकारी, सिमगा के कार्यालय में किया जा सकता है।
4. प्रस्तावित भू-अर्जन से किसी भी प्रभावित परिवार का विस्थापन निहित नहीं है।
5. प्रस्तावित प्रयोजन के भू-अर्जन के लिए कराये गये सामाजिक समाघात अध्ययन अनुसार भूमि का अर्जन अंतिम विकल्प के रूप में किया जाना प्रस्तावित है तथा भूमि अर्जन से सामाजिक समाघात की तुलना में सामाजिक लाभअधिक होना पाया गया हैं।
6. प्रस्तावित भू-अर्जन के लिए अधिनियम 2013 की धारा 43 के तहत अनुविभागीय अधिकारी (रा.) सिमगा, जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ०ग०) को पुनर्वास और पुनर्व्यवस्थापन में प्रशासक नियुक्त किया गया है।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार

कलेक्टर, जिला-बलौदाबाजार-भाटापारा
एवं पदेन उप सचिव, छ.ग.शासन
राजस्व एवं आपदा प्रबंध विभाग

जी- 262700468/1

मातृशक्ति के सम्मान और सशक्तिकरण के लिए डबल इंजन सरकार प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री साय

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ विधानसभा में मातृशक्ति से जुड़े महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की यह पावन धरती माता शबरी, मां दंतेश्वरी और मां महामाया की भूमि है, जहां नारी को सदैव शक्ति के रूप में पूजा गया है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में नारी केवल सम्मान की पात्र नहीं, बल्कि सृजन और शक्ति की आधारशिला है। नवरात्रि में जिस शक्ति की हम पूजा करते हैं, वही शक्ति समाज में मातृरूप में विद्यमान है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारे पुराणों में भी स्पष्ट रूप से कहा गया है – ﬠया देवी सर्वभूतेषु मातृ-रूपेण संस्थिताﬠ — यह केवल श्लोक नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति का मूल दर्शन है। छत्तीसगढ़ की धरती पर भक्त माता कर्मा, तीजन बाई, उषा बारले जैसी विभूतियों ने अपनी प्रतिभा से न केवल प्रदेश बल्कि पूरे देश और विदेश में पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि मिनीमाता, रानी लक्ष्मीबाई, रानी दुर्गावती और अवंती बाई के बलिदान को देश कभी नहीं भूल सकता।आधुनिक भारत में भी कल्पना चावला और सुनीता विलियम्स जैसी बेटियों ने अंतरिक्ष तक भारत का गौरव बढ़ाया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने महिला आरक्षण और परिसीमन के मुद्दे पर विपक्ष को घेरते हुए कहा कि यदि समय पर परिसीमन होता, तो अधिक लोगों को प्रतिनिधित्व का अवसर मिलता और लोकतंत्र और अधिक सशक्त होता। उन्होंने कहा कि आज लोकसभा और विधानसभा के क्षेत्र इतने बड़े हो गए हैं कि जनप्रतिनिधियों के लिए प्रत्येक गांव तक पहुंच पाना कठिन हो गया है। परिसीमन से न केवल प्रतिनिधित्व बढ़ता, बल्कि विकास की गति भी तेज होती। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने इस विषय पर स्पष्ट और तार्किक दृष्टिकोण रखा, लेकिन विपक्ष ने राजनीतिक कारणों से इसका विरोध किया। मुख्यमंत्री ने तीखे शब्दों में कहा कि महिला आरक्षण देने की वास्तविक मंशा विपक्ष की कभी रही ही नहीं, और इसी कारण वे परिसीमन और जनगणना जैसे मुद्दों को बहाना बनाकर इस ऐतिहासिक पहल को रोकने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश और देश की जनता इस रवैये को कभी स्वीकार नहीं करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में महिलाओं के सम्मान और सशक्तिकरण के क्षेत्र में ऐतिहासिक कार्य हुए हैं। उन्होंने कहा कि जहां पहले महिलाओं को खुले में शौच के लिए जाना पड़ता था, वहीं स्वच्छ भारत मिशन के माध्यम से करोड़ों शौचालय बनाकर महिलाओं की गरिमा की रक्षा की गई। कई राज्यों में इन शौचालयों को 'इज्जत घर' नाम दिया गया है, जो अपने आप में सामाजिक परिवर्तन का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि उज्ज्वला योजना के माध्यम से महिलाओं को धुएं से मुक्ति दिलाई गई, जिससे उनके स्वास्थ्य की रक्षा हुई। जनधन योजना के तहत करोड़ों महिलाओं के बैंक खाते खोले गए, जिससे उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाया गया। सुकन्या समृद्धि योजना और प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना जैसी योजनाओं के माध्यम से बेटियों और माताओं के भविष्य को सुरक्षित किया गया है। 'सखी वन स्टॉप सेंटर' के माध्यम से जरूरतमंद महिलाओं को सुरक्षा और सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में डबल इंजन की सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। वर्ष 2026 को ﬠमहतारी गौरव वर्षﬠ के रूप में मनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि महतारी वंदन योजना के तहत 69 लाख से अधिक महिलाओं को प्रतिमाह 1000 रुपये की सहायता सीधे उनके खातों में दी जा रही है और अब तक 16 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि वितरित की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि बस्तर जैसे नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में भी अब विकास की नई धारा बह रही है। जहां कभी नक्सलवाद का प्रभाव था, वहां आज हजारों महिलाएं योजनाओं का लाभ ले रही हैं। महतारी वंदन योजना का लाभ वहां की 22 हजार से अधिक महिलाओं तक पहुंचाया जा चुका है, जो एक बड़े परिवर्तन का संकेत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत प्रदेश में 26 लाख आवास स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें महिलाओं को स्वामित्व का अधिकार दिया गया है। जल जीवन मिशन के अंतर्गत 41 लाख परिवारों तक नल के माध्यम से शुद्ध पेयजल पहुंचाया गया है।उन्होंने कहा कि आज प्रदेश में 8 लाख से अधिक महिलाएं 'लखपति दीदी' बन चुकी हैं और सरकार का लक्ष्य इसे 10 लाख तक पहुंचाने का है। नई औद्योगिक नीति में भी महिलाओं के लिए विशेष प्रोत्साहन और सब्सिडी का प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री ने पंचायती राज व्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में आज 57 प्रतिशत प्रतिनिधित्व महिलाओं का है, जो पूरे देश में एक उदाहरण है। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री द्वारा 33 प्रतिशत आरक्षण को बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने के निर्णय की सराहना करते हुए इसे सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने विपक्ष पर आरोप लगाते हुए कहा कि 'नारी शक्ति वंदन संशोधन विधेयक' का विरोध करना महिलाओं के अधिकारों के साथ अन्याय है। उन्होंने कहा कि रेडी-टू-ईट जैसी योजनाओं को पूर्व में स्वयं सहायता समूहों से छीन लिया गया था, लेकिन वर्तमान सरकार पुन: महिलाओं को यह कार्य सौंपने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज प्रदेश में पंचायती राज संस्थाओं में 96 हजार से अधिक महिलाएं जनप्रतिनिधि के रूप में कार्य कर रही हैं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि राशन कार्ड को महिलाओं के नाम पर जारी करने जैसे ऐतिहासिक निर्णयों ने महिलाओं को परिवार और समाज में सशक्त बनाया है। अपने संबोधन के अंत में मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि मातृशक्ति के राजनीतिक सशक्तिकरण के लिए प्रधानमंत्री एक नया अध्याय लिखना चाहते हैं, लेकिन विपक्ष की हठधर्मिता के कारण यह ऐतिहासिक अवसर बाधित हो रहा है।

भीम आर्मी द्वारा धमतरी में सदस्यता अभियान व 12 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा गया

रायपुर (विश्व परिवार)। भीम आर्मी (भारत एकता मिशन) द्वारा सदस्यता अभियान के तहत आज धमतरी में अभियान चलाया गया जिसमें भारी संख्या में लोग जुड़े और सदस्यता ग्रहण की जिसमें युवा, बुजुर्ग और साथ ही महिलाओं की भारी संख्या रही। भीम आर्मी के प्रदेश सह प्रभारी मनोज बंजारे ने जानकारी देते हुए बताया कि सदस्यता अभियान के साथ ही कलेक्टर महोदय (धमतरी) के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति और मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ को 12 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा गया जिसमें निम्न प्रमुख मांगे है- आगामी शिक्षा सत्र से कक्षा 6 से संविधान की शिक्षा भी दी जाए, नई रेल लाइन बिछाने से विस्थापितों को उचित निवास दिया जाए , यूजीसी शीघ्र लागू हो आदि। श्री मनोज बंजारे ने बताया की आज के कार्यक्रम में सभी सदस्यों ने सहभागिता की जिनमें युवराज कुर्रे, खिलन प्रसाद, सुरजीत डहरिया, मिलाप साहू जिलाध्यक्ष (धमतरी) एवं सैकड़ों कार्यकर्ता ने आयोजन को सफल बनाने में सहायता की।

50,000 कामगारों के लिए वातानुकूलित आवास रोज 1 लाख लोगों के भोजन की व्यवस्था

रायपुर (विश्व परिवार)। अदाणी ग्रुप के फाउंडर चेयरमैन गौतम अदाणी ने इंटरनेशनल लेबर डे के मौके पर ग्रुप के भविष्य की रणनीति साझा की। उन्होंने कहा कि अब कंपनी अपनी प्रगति को सिर्फ प्रोजेक्ट या एसेट्स से नहीं, बल्कि लोगों की जिंदगी पर पड़ने वाले असर से भी मापेगी। इंटरनेशनल लेबर डे के मौके पर ग्रुप के कर्मचारियों और साझेदारों को संबोधित करते हुए गौतम अदाणी ने कहा कि अदाणी ग्रुप, जो देश के 24 राज्यों में 700 से ज्यादा कार्य स्थलों का संचालन करता है और करीब 4 लाख कर्मचारियों, पार्टनर्स और ठेकेदारों के साथ काम करता है, अपनी प्रगति को अब सिर्फ बने हुए एसेट्स से नहीं, बल्कि पैदा हुए रोजगार और मजबूत हुए समुदायों से भी मापेगा। उन्होंने कहा कि ग्रुप की इस सोच में कामगारों को राष्ट्र निर्माण के केंद्र में रखा गया है। उन्होंने कहा कि अदाणी ग्रुप का लक्ष्य सिर्फ प्रोजेक्ट पूरे करना नहीं, बल्कि रोजगार के अवसर बढ़ाना और समुदायों को मजबूत बनाना है। कंपनी के अनुसार, कर्मचारी, ठेकेदार और पार्टनर-सभी मिलकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देते हैं। गौतम अदाणी ने कहा, जब हम कोई प्रोजेक्ट पूरा करते हैं, तो हम सिर्फ काम नहीं करते, बल्कि देश का भविष्य बनाते हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अब सभी प्रोजेक्ट साइट्स पर लोकल लोगों को प्राथमिकता दी जाएगी। पहले आसपास के इलाकों के लोगों को मौका मिलेगा, उसके बाद राज्य के अन्य हिस्सों और जरूरत पड़ने पर अन्य जगहों से लोगों को जोड़ा जाएगा। कामगारों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए बड़े स्तर पर पहल की जा रही है।

सुहिणी सोच का ऑफिसर ट्रेनिंग सेमिनार कल

रायपुर (विश्व परिवार)। सुहिणी सोच संस्था का ऑफिसर ट्रेनिंग सेमिनार 2 मई शाम 5ः00 से सिविल लाइन स्थित हरगिरी टॉवर सिविल लाइन में संपन्न होगा। इस सेमिनार का मुख्य उद्देश्य संगठन के सदस्यों में नेतृत्व क्षमता का विकास करना, कार्य कुशलता को बढ़ाना एवं उन्हें भविष्य के लिए एक सशक्त नेतृत्व के रूप में तैयार करना है। कार्यक्रम में मार्गदर्शन मेंटोर के रूप में ष्ट चेतन तारवानी जोकि भारतीय सिंधु सभा के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष भी हैं एवं दूसरे वक्ता केरूप में ष्ट अमिताभ दुबे जो कि ग्रीन आर्मी रायपुर के अध्यक्ष भी हैंअपने अनुभव एवं ज्ञान से सदस्यों को लाभान्वित करेंगे।संस्था की संस्थापक मनीषा तारवानी एवं अध्यक्ष पल्लवी चिमनानी ने सभी शाखाओं — रायपुर, राजिम, तिल्दा एवं जगदलपुर की सदस्यों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस सेमिनार का लाभ लेने की अपील की है। कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु दीक्षा बुधवानी , रेनू कृष्णानी (सचिव), स्नेहा बुधवानी एवं जागृति जोतवानी (प्रोग्राम डायरेक्टर) सक्रिय रूप से सहयोग कर रही हैं। कार्यक्रम के पश्चात सभी सदस्यों के लिए अल्पाहार की व्यवस्था भी की गई है, जिससे आपसी संवाद एवं विचारों का आदान-प्रदान हो सके। प्रेस विज्ञप्ति ज्योति बुधवानी द्वारा जारी की गई ।

ग्राम किवईबालेंगा से 'सुशासन तिहार 2026' का शुभारंभ

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की मंशानुसार कोंडागांव जिले में आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के उद्देश्य से सुशासन तिहार 2026 का शुभारंभ आज ग्राम किवईबालेंगा में आयोजित शिविर के साथ किया गया। कार्यक्रम के प्रथम दिन जिले के कुल 28 ग्रामों में बस्तर मुन्ने कार्यक्रम के तहत शिविर आयोजित कर विभिन्न विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी एवं लाभ हितग्राहियों तक पहुंचाया गया। ग्राम किवईबालेंगा में आयोजित मुख्य शिविर में कलेक्टर श्रीमती नुपूर राशि पन्ना, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती अनीता कोर्राम, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष श्री टोमेन्द्र ठाकुर, श्री दीपेश अरोरा एवं जिला पंचायत सीईओ श्री अविनाश भोई सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे। शिविर के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को सामग्री एवं लाभ वितरित किए गए। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत 25 हितग्राहियों को उनके पूर्ण हो चुके आवासों की प्रतीकात्मक चाबी प्रदान की गई। इस पहल से जरूरतमंद परिवारों का पक्के मकान का सपना साकार हुआ है और उन्हें सुरक्षित आवास उपलब्ध हो सका है। हितग्राहियों ने शासन-प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए इस योजना से उनके जीवन में महत्वपूर्ण बदलाव आया है। इसके साथ ही राजस्व विभाग द्वारा 07 डिजिटल किसान किताब, स्वास्थ्य विभाग द्वारा 03 आयुष्मान कार्ड और 04 जन्म प्रमाण पत्र, श्रम विभाग द्वारा 05 श्रम कार्ड, शिक्षा विभाग द्वारा 17 जन्म प्रमाण पत्र और महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा गोद भराई एवं अन्नप्राशन संस्कार सहित 02 पोषण किट वितरित की गई।

भाजपा महिला मोर्चा ने निकाली विशाल मशाल रैली

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष विभा अवस्थी के आह्वान पर रायपुर शहर जिला महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष कृतिका जैन के नेतृत्व में गुरुवार को विशाल मशाल रैली निकाली गई। नारी शक्ति वन्दन अधिनियम को लेकर निकल गई। भाजपा कार्यालय एकात्म परिसर से निकली इस रैली में काफी संख्या में विभिन्न सामाजिक संगठनों की महिलाओं सहित भाजपा महिला मोर्चा की पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल हुईं। भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष विभा अवस्थी ने कहा कि महिलाओं को 33त्न आरक्षण के साथ लोकसभा एवं विधानसभा में नेतृत्व करने का मौका देने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह नारी शक्ति वन्दन अधिनियम सदन में रखा था। कांग्रेस पार्टी सहित सभी विपक्षी दल ने इस अधिनियम का विरोध कर इसे पारित नहीं होने दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी सहित विपक्षी दल नहीं चाहते कि देश की आधी आबादी को 33त्न आरक्षण के साथ नेतृत्व करने का मौका मिले। कांग्रेस के लिए महिलाएँ केवल वोट बैंक हैं जो चुनाव के समय उन्हें याद आती है। आज देश की महिलाएँ देश के विकास में पूर्ण सहभागी हैं। आज महिलाएँ हर क्षेत्र में परचम लहरा रही है और देश का नाम रोशन कर रही है। कांग्रेस नहीं चाहती कि महिलाएँ नेतृत्व करें। कांग्रेस नेतृत्व को पता है कि अगर महिलाएँ नेतृत्व करेगीं तो देश से कांग्रेस का नामोनिशान मिट जाएगा।

जीवन में शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका होती हैः आई. पी. मिश्रा

रायपुर (विश्व परिवार)। आई पी मिश्रा का नाम किसी पहचान या परिचय का मोहताज नहीं है।6 अगस्त 1942 को रीवा, मध्यप्रदेश के छोटे से गांव में जन्मे श्री मिश्रा ने रविशंकर विश्विद्यालय रायपुर से बी ई आनर्स ,मैकेनिकल इंजीनिरिंग में उत्तीर्ण की। उन्होंने तीन दशक से भी ज्यादा वर्षों तक भिलाई स्टील प्लांट में एक कुशल इंजीनियर और प्रशासक के रूप में अपनी सेवाएं दी हैं। जनरल मैनेजर,प्रोजेक्ट के पद पर सेवा निवृत हुए हैं। आई पी मिश्रा प्रख्यात जगद्गुरु स्वामी श्री स्वरूपानंद सरस्वती महराज जी के संपर्क में आए और उनकी जिंदगी ने एक नया मोड लिया और वे शिक्षा तथा आध्यात्म के लिए समर्पित हो गए। उहोंने 1986 में अविभाजित प्रदेश की उच्च तकनीकी शिक्षा के लिए एक बड़ी उपलब्धि के रूप में भिलाई इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी(बी आई टी) की स्थापना में अहम भूमिका निभाई।उनका सफर यहीं नहीं रुका उन्होंने भिलाई का एजुकेशन हब के रूप में स्थापित करने बड़ी संख्या में शैक्षणिक संस्थान भिलाई और रायपुर में स्थापित किए।जिनसे आज शिक्षा के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ की अलग पहचान बन गई है। श्री मिश्रा ने 1994 में श्री गंगाजली शिक्षण समिति की स्थापना की और इस समिति के माध्यम से कई इंजीनियरिंग, नर्सिंग, फार्मेसी, मेडिकल, कला विज्ञान,मैनेजमेंट के महविधालय संचालित हो रहें हैं। संस्था के मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल ने कोविड कल में जनसेवा की मिशाल कायम की जिस पर प्रशासन ने सम्मानित किया। शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर विकास होता रहा है और श्री शंकराचार्य प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी की स्थापना भी रोजगारोपयोगी पाठ्यक्रमों को उपलब्ध कराने की गई है। श्री गंगाजली शिक्षण समिति ने श्री मिश्रा के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा के प्रसार का बीड़ा उठाया है।आज 15000 हजार से भी अधिक विधार्थी लाभान्वित हो रहें है।

सफाई | अनुपस्थित सफाई कर्मियों पर जुर्माना, ठेका निरस्तीकरण की तैयारी

निगम स्वास्थ्य अधिकारी डॉ तृप्ति पाणीग्रही ने जोन सफाई का किया औचक निरीक्षण

रायपुर (विश्व परिवार)। निर्धारित संख्या से कम ठेका सफाई कामगार ड्यूटी पर मिलने पर सम्बंधित सफाई ठेकेदारों पर 10-10 हजार रूपये अर्थदण्ड कर नियमानुसार ठेका निरस्त करने कार्रवाई हेतु प्रकरण प्रस्तुत करने जोन 8 जोन स्वास्थ्य अधिकारी को दिए निर्देश नगर निगम जोन 4 के सिविल लाईन वार्ड में औचक निरीक्षण में विभिन्न स्थानों पर गन्दगी, मलबा दिखा, स्वास्थ्य अधिकारी ने वार्ड सफाई सुपरवाइजर कार्तिक नेताम को कारण बताओ नोटिस देकर माँगा स्पष्टीकरण* निगम आयुक्त के निर्देश पर निगम स्वास्थ्य अधिकारी नियमित प्रतिदिन वार्डो की सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण करेंगी और लापरवाही मिलने पर सम्बंधित वार्ड सफाई ठेकेदार सहित सफाई सुपरवाइजर, स्वच्छता निरीक्षक, जोन स्वास्थ्य अधिकारी पर जिम्मेदारी तय कर कार्यवाही प्रस्तावित करेंगी रायपुर - आज रायपुर नगर पालिक निगम के आयुक्त श्री विश्वदीप के निर्देश पर नगर निगम स्वास्थ्य अधिकारी डॉ तृप्ति पाणीग्रही ने नगर निगम जोन 8 अंतर्गत वीर सावरकर नगर वार्ड क्रमांक 1 और पण्डित जवाहर लाल नेहरू वार्ड क्रमांक 2 क्षेत्र की सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण जोन 8 जोन स्वास्थ्य अधिकारी श्री गोपीचंद देवांगन और निगम मुख्यालय स्वास्थ्य विभाग स्वच्छता निरीक्षक श्री गिरिजेश तिवारी की उपस्थिति में किया. ठेका सफाई कामगारों की उपस्थिति की गिनती किये जाने पर वार्ड क्रमांक 1 में निर्धारित 38 में से 19 ठेका सफाई कामगार ड्यूटी पर अनुपस्थित मिले और वार्ड में गन्दगी पायी गयी, इस पर निगम स्वास्थ्य अधिकारी ने जोन 8 जोन स्वास्थ्य अधिकारी को वार्ड 1 के सफाई ठेकेदार पर नोटिस देकर 10 हजार रूपये अर्थदण्ड करने और ठेका नियमानुसार निरस्त करने कार्रवाई हेतु प्रकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए. इसी प्रकार नगर निगम स्वास्थ्य अधिकारी को जोन 8 के वार्ड 2 में नालियाँ जाम मिलीं और उपस्थिति की गिनती करने पर वार्ड 2 में निर्धारित 38 में 26 ठेका सफाई कामगार ड्यूटी पर मिले और 12 ठेका सफाई कामगार ड्यूटी पर अनुपस्थित पाए गए।

सिंचाई नहर के माध्यम से नगर के तालाबों में पहुँचा पानी

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। नगर पालिका क्षेत्र अंतर्गत नगर के विभिन्न तालाबों में पानी भरने से जहां नगर वासियों को निस्तारी जल की आपूर्ति होने लगी वही भूमिगत जल स्रोत के बढ़ने से पेयजल की तकलीफ भी कम होने से वार्ड में निवास रत जन सामान्य को बहुत राहत मिली है । कैबिनेट मंत्री एवं विधायक टंकराम वर्मा से नगर में गंगरेल बांध एवं छुहिया बांध के माध्यम से पानी आपूर्ति किए जाने नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जैन ने मांग रखी, जिसे तत्काल पूर्ण करते हुए सिंचाई विभाग को निर्देशित कर नहर नाली के माध्यम से नगर के प्रमुख तालाबों में पानी पहुंचाया गया इसके लिए जिले के कलेक्टर महोदय के द्वारा भी दिए गए निर्देशानुसार विभागीय अधिकारियों ने तत्परता के साथ नहर नाली की सफाई कर अन्य आबंटित क्षेत्र को रोककर नगर में पानी आपूर्ति में सहयोग किया गया । नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जैन ने यह भी कहा कि भीषण गर्मी के मौसम में तालाबों में पानी भरे जाने के लिए सभी पार्षदों ने भरपूर सहयोग किया तालाबों के आसपास घाटों की सफाई के साथ तालाब से जुड़े नहर नाली की भी सघन रूप से सफाई कराई गई जिससे कि तालाबों तक पानी आसानी से पहुंचाई जा सके, नगर के चिन्नास्वामी तालाब, धोबी तालाब, देवरहा तालाब, सोलहा तालाब, पिपराहा तालाब में पानी भरने का क्रम प्रारंभ है, साथ ही लोगों के मनोरंजन व शांत वातावरण में घूमने योग्य नगर पालिका द्वारा बनाए गए मुरूम तालाब में भी पानी भरा जा रहा है जिससे चौपाटी की रौनक वापस लौटने लगी है ।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com
रायपुर, शनिवार 02 मई 2026

स्वच्छता दीदियों और सफाई मित्रों ने चलाया स्वच्छ जनजागरण अभियान

रायपुर (विश्व परिवार)। आज रायपुर नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 6 अंतर्गत वार्ड क्रमांक 63 क्षेत्र अंतर्गत नन्दी चौक टिकरापारा में स्वच्छता सर्वेक्षण अभियान 2025 - 2026 के अंतर्गत नगर निगम जोन क्रमांक 6 स्वास्थ्य विभाग की ओर से महिला स्वसहायता समूहों की स्वच्छता दीदियों और सफाई मित्रों द्वारा स्वच्छता जनजागरुकता अभियान चलाया गया और स्वच्छता जागरूकता रैली वार्ड 63 में मार्गो और बाजार में निकालकर नागरिकों को दिनांक 1 अप्रैल 2026 से प्रभावशील नवीन ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के अंतर्गत 4 डिब्बा सफाई प्रणाली को लेकर नागरिकों को जागरूक किया गया.

जिले की खेल प्रतिभाओं को बेहतर प्रशिक्षण सुविधाएं मिलेंगी और क्रिकेट के क्षेत्र में नई संभावनाओं के द्वार खुलेंगे

राजनांदगांव में बनेगा अत्याधुनिक क्रिकेट अकादमी व खेल मैदान, मुख्यमंत्री के निर्णय का जताया आभार

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से आज विधानसभा स्थित उनके कार्यालय कक्ष में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के नेतृत्व में राजनांदगांव जिला क्रिकेट एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल ने मंत्रिपरिषद द्वारा आधुनिक खेल मैदान एवं अत्याधुनिक क्रिकेट अकादमी के निर्माण हेतु सूर्यमुखी देवी राजगामी संपदा के नाम दर्ज भूमि में से 5 एकड़ भूमि रियायती दर पर आबंटित करने के महत्वपूर्ण निर्णय के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस पहल से जिले की खेल प्रतिभाओं को बेहतर प्रशिक्षण सुविधाएं मिलेंगी और क्रिकेट के क्षेत्र में नई संभावनाओं के द्वार खुलेंगे। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने क्षेत्र की बहुप्रतीक्षित मांग पर मंत्री परिषद की बैठक में त्वरित निर्णय लेने के लिए मुख्यमंत्री का धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि इस निर्णय से राजनांदगांव में अत्याधुनिक स्टेडियम का निर्माण संभव होगा, जिससे प्रदेश के खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय अवसर प्राप्त होंगे। साथ ही, आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र होने के कारण यहां की प्रतिभाओं को राष्ट्रीय स्तर पर अपनी क्षमता प्रदर्शित करने का बेहतर मंच मिलेगा।

इस दौरान विधायक श्री धरम लाल कौशिक, विधायक श्री पुरन्दर मिश्रा, विधायक श्री ललित चंद्राकर, छत्तीसगढ़ ओलम्पिक संघ के महासचिव श्री विक्रम सिसोदिया, राजनांदगांव जिला क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव श्री योगेश बागड़ी सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

ग्रामीण क्षेत्रों को बड़ी राहत- 132 केवी उपकेंद्र में 40 एमवीए का नया ट्रांसफार्मर ऊर्जीकृत

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में बेहतर और भरोसेमंद बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अतिउच्चदाब उपकेंद्रों में निरंतर क्षमता विस्तार का कार्य कर रही है। इसी कड़ी में छूरीखुर्द 132 केव्ही उपकेंद्र में 40 एमवीए क्षमता का अतिरिक्त पावर ट्रांसफार्मर स्थापित कर सफलतापूर्वक ऊर्जीकृत किया गया है। लगभग 4.31 करोड़ रुपये की लागत से पूर्ण इस कार्य से क्षेत्र की बढ़ती बिजली मांग को पूरा करने में मदद मिलेगी। इस ट्रांसफार्मर के शुरू होने से कोरबा जिले के कटघोरा-पाली स्थित छुरीखुर्द 132 केव्ही उपकेंद्र से जुड़े करीब 50 गांवों के उपभोक्ताओं को सीधा लाभ मिलेगा। अब किसानों को सिंचाई के समय बेहतर वोल्टेज मिलेगा, घरेलू उपभोक्ताओं को बार-बार

होने वाले वोल्टेज उतार-चढ़ाव और बाधित आपूर्ति से राहत मिलेगी, वहीं छोटे व्यवसायों को भी सुचारु रूप से संचालन में सुविधा होगी। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला ने स्विच दबाकर ट्रांसफार्मर का शुभारंभ किया। उन्होंने ने कहा कि राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप कंपनी ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में विद्युत व्यवस्था को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दे रही है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूती के लिए विश्वसनीय बिजली आपूर्ति अत्यंत आवश्यक है। किसानों, घरेलू उपभोक्ताओं और छोटे उद्यमियों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए लगातार उपकेंद्रों की क्षमता बढ़ाई जा रही है। आने वाले समय में भी इसी तरह के कार्यों के माध्यम से बिजली आपूर्ति को और सुदृढ़ किया जाएगा, ताकि उपभोक्ताओं को निर्बाध और गुणवत्तापूर्ण बिजली मिल सके। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक (उपकेंद्र) श्रीमती कल्पना घाटे, अधीक्षण अभियंता श्री व्ही.बी.एस. कंवर, श्री रवि चंद्राकर, श्री डी.एस. पटेल, कार्यपालन अभियंता श्री एस.सी. भगत, श्री नवीन केरकेट्टा, श्री प्रवीण कुमार ठाकुर, श्री अजय कंवर, श्री जी.आर. जायसवाल, सहायक अभियंता श्री असीम मिश्रा, श्री विजय पात्रे, श्री बसंत टोप्पो सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

अंडरब्रिज निर्माण कार्य के कारण ट्रेनों परिचालन प्रभावित रहेगा

रायपुर (विश्व परिवार)। अधोसंरचना विकास के तहत दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर मंडल के निपनिया -भाटापारा सेक्शन के बीच किमी 755/07-09 पर स्थित लेवल क्रॉसिंग संख्या 380 पर रोड अंडरब्रिज का निर्माण किया जा रहा है 7 उक्त रोड अंडरब्रिज निर्माण के तहत रिलिविंग गर्डरों के लॉन्चिग हेतु ट्रैफिक-सह पावर ब्लॉक लिया जा रहा है । इसके फलस्वरूप कुछ यात्री गाड़ियों का परिचालन प्रभावित रहेगा । दिनांक 03 एवं 06 मई 2026 को गाडी संख्या 68728 रायपुर-बिलासपुर मेमू पैसेंजर रद्द रहेगी । दिनांक 03 एवं 06 मई 2026 को गाडी संख्या 68734 बिलासपुर-गेवरा रोड मेमू पैसेंजर रद्द रहेगी । दिनांक 03 एवं 06 मई 2026 को गाडी संख्या 68733 गेवरा रोड - बिलासपुर मेमू पैसेंजर रद्द रहेगी । दिनांक 03 एवं 06 मई 2026 को गाडी संख्या 68719 बिलासपुर-रायपुर मेमू पैसेंजर रद्द रहेगी । दिनांक 03 मई 2026 को गाडी संख्या 58203 कोरबा-रायपुर पैसेंजर रद्द रहेगी । दिनांक 03 मई 2026 को गाडी संख्या 58205 रायपुर-नेताजी सुभाष चंद्र बोस

(इतवारी) पैसेंजर रद्द रहेगी । ?? दिनांक 04 मई 2026 को गाडी संख्या 58206 नेताजी सुभाष चंद्र बोस (इतवारी)-रायपुर पैसेंजर रद्द रहेगी ?? दिनांक 04 मई 2026 को गाडी संख्या 58202 रायपुर-बिलासपुर मेमू पैसेंजर रद्द रहेगी ।

?? दिनांक 03 एवं 06 मई 2026 को झारसुगुड़ा से चलने वाली 68862 झारसुगुड़ा-गोंदिया मेमू पैसेंजर बिलासपुर में समाप्त होगी तथा बिलासपुर एवं गोंदिया के बीच रद्द रहेगी । ?? दिनांक 03 एवं 06 मई 2026 को गोंदिया से चलने वाली 68861 गोंदिया-झारसुगुड़ा मेमू पैसेंजर बिलासपुर स्टेशन से प्रारम्भ होगी तथा गोंदिया एवं बिलासपुर के बीच रद्द रहेगी ।

आंजनेय यूनिवर्सिटी- युवा प्रतिभाओं ने मंच पर उकेरी मोक्ष की यात्रा, नाटक ने छोड़ी गहरी छाप

रायपुर (विश्व परिवार)। आंजनेय यूनिवर्सिटी में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत नाटक बैकुंठ द्वार से मोक्ष तक ने दर्शकों को आध्यात्मिक अनुभूति से सराबोर कर दिया। इस नाट्य प्रस्तुति में जीवन, मृत्यु और मोक्ष जैसे गूढ़ विषयों को अत्यंत संवेदनशील और प्रभावशाली ढंग से मंचित किया गया, जिसने उपस्थित जनसमूह को भाव-विभोर कर दिया। मंच पर प्रस्तुत प्रत्येक दृश्य ने जीवन के विभिन्न पहलुओं को दर्शाते हुए यह संदेश दिया कि सच्चे कर्म और आध्यात्मिकता के मार्ग पर चलकर ही मोक्ष की प्राप्ति संभव है। चांसलर श्री अभिषेक अग्रवाल ने कहा कि समग्र रूप से यह आयोजन न केवल मनोरंजन का माध्यम बना, बल्कि दर्शकों के मन में गहन आध्यात्मिक चिंतन की प्रेरणा भी छोड़ गया। मुख्य अतिथि श्री योगेश अग्रवाल ने कहा कि 'बैकुंठ द्वार से मोक्ष तक' नाट्य प्रस्तुती समाज को सही दिशा दिखाने का सशक्त माध्यम हैं। इस नाटक के माध्यम से विद्यार्थियों ने जीवन,

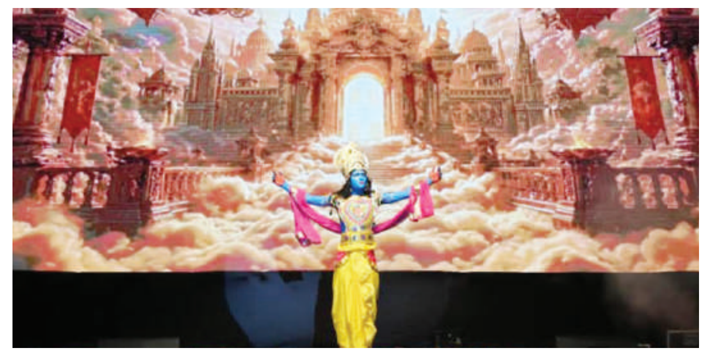

कर्म और मोक्ष जैसे गहन विषयों को जिस संवेदनशीलता और गंभीरता के साथ मंच पर प्रस्तुत किया, वह अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने कहा कि जब युवा पीढ़ी भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक मूल्यों को इस प्रकार आत्मसात कर अभिव्यक्त करती है, तो यह हमारे समाज के उज्ज्वल भविष्य का संकेत है। विशिष्ट अतिथि श्री सुभाष मिश्र ने कहा कि इस प्रकार की नाट्य प्रस्तुतियाँ केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं होतीं, बल्कि समाज को गहरी सीख देने का सशक्त मंच भी बनती हैं। विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत 'बैकुंठ द्वार से मोक्ष तक' नाटक ने भारतीय संस्कृति, जीवन मूल्यों और आध्यात्मिक चिंतन को अत्यंत प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया है। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी जब इस तरह के विषयों को समझकर मंच पर उतारती है, तो यह हमारे संस्कारों और परंपराओं के प्रति उनकी जागरूकता को दर्शाता है। नाटक की लेखिका और निर्देशिका रचना गोयल ने कहा कि नाटक में दर्शाया गया कि किस प्रकार जय और विजय, जो भगवान विष्णु के परम भक्त थे, एक श्राप के कारण तीन जन्मों तक पृथ्वी पर हरि के शत्रु के रूप में जन्म लेने को बाध्य हुए। कथा के प्रत्येक चरण में अधर्म का विस्तार होता है और तब धर्म की रक्षा हेतु स्वयं भगवान विष्णु विभिन्न अवतार धारण कर पृथ्वी पर अवतरित होते हैं। विद्यार्थियों ने भगवान विष्णु के विभिन्न अवतारों वराह, नरसिंह, राम और कृष्ण को सजीव अभिनय के माध्यम से प्रस्तुत किया। प्रत्येक दृश्य में यह संदेश स्पष्ट रूप से उभरकर सामने आया कि चाहे परिस्थितियाँ कैसी भी हों, अंततः सत्य, धर्म और भक्ति की ही विजय होती है। नाटक की प्रस्तुति में संवाद, संगीत, वेशभूषा और मंच सज्जा का समन्वय दर्शकों को एक अलग ही आध्यात्मिक अनुभूति प्रदान कर गया। इस अवसर पर प्रो-चांसलर श्रीमती दिव्या अग्रवाल, डायरेक्टर जनरल डॉ. बी. सी. जैन, कुलपति डॉ. टी. रामाराव, निदेशक डॉ. जयेंद्र नारंग, निदेशक (अकादमिक) डॉ. संध्या वर्मा, रजिस्ट्रार डॉ. रुपाली चौधरी सहित विश्वविद्यालय के सभी डीन, विभागाध्यक्ष, संकाय सदस्य एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

दुर्ग-हरिद्वार-दुर्ग समर स्पेशल में एक अतिरिक्त एसी-3 कोच की सुविधा

रायपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की बेहतर यात्रा सुविधा व अधिकाधिक यात्रियों को कंफर्म बर्थ उपलब्ध कराने हेतु दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से चलने वाली गाड़ी संख्या 08743/08744 दुर्ग-हरिद्वार-दुर्ग समर स्पेशल में एक अतिरिक्त एसी-3 कोच की सुविधा अस्थायी रूप से उपलब्ध कराई जा रही है 7 यह सुविधा दुर्ग से चलने वाली गाड़ी संख्या 08743 दुर्ग-हरिद्वार समर स्पेशल ट्रेन में दिनांक 03 मई से 31 मई 2026 तक तथा हरिद्वार से चलने वाली गाड़ी संख्या 08744 हरिद्वार-दुर्ग समर स्पेशल ट्रेन में दिनांक 04 मई से 01 जून 2026 तक उपलब्ध रहेगी ।

कांग्रेस श्रमिकों के सम्मान के लिए सदैव समर्पित: बैज

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रदेश कांग्रेस असंगठित क्षेत्र समस्या निवारण प्रकोष्ठ द्वारा अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर राजधानी के शहीद स्मारक परिसर में 'श्रमिक सम्मान एवं कार्यकर्ता सम्मेलन का गौरवशाली आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष 'दीपक बैज' शामिल हुए। सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का इतिहास हमेशा श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा और उनके सम्मान का रहा है। उन्होंने प्रकोष्ठ के कार्यों की सराहना करते हुए कहा 'मो सिद्दीक ने इस प्रकोष्ठ को कांग्रेस

के मुख्य मोर्चा संगठनों के समकक्ष ला खड़ा किया है। असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की आवाज बुलंद करने के दिशा निर्देश दिए ! कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह गैदू , पूर्व विधायक गुलाब कमरों, पीसीसी उपाध्यक्ष जेपी श्रीवास्तव, जिला सहकारी बैंक के पूर्व अध्यक्ष पंकज शर्मा, संयुक्त महासचिव शारिक रईस खान, प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष जीवराखन साहू और रेशम लाल अजय ने भी अपने विचार रखे। वक्ताओं ने एकजुट होकर श्रमिकों की समस्याओं के निवारण हेतु जमीनी स्तर पर कार्य करने का आह्वान किया। प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद सिद्दीक ने स्वागत उद्बोधन देते हुए कहा कि हमारा प्रकोष्ठ प्रदेश के हर जिले और शहर में सक्रिय है। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रदेश में कहीं भी होने वाली दुर्घटना या अन्याय के विरुद्ध कांग्रेस का यह प्रकोष्ठ सबसे पहले खड़ा मिलता है। श्रमिक सम्मान के तहत प्रदेश पर से अलग-अलग जिलों से आए और विभिन्न श्रमिक संगठनों से आए लगभग 400 श्रमिकों को लंच बॉक्स श्रीफल गमछा देकर सम्मानित किया गया । सम्मेलन में बलरामपुर, भिलाई, दुर्ग ग्रामीण, कांकेर, चांपा-जांजगीर, बिलासपुर (ग्रामीण व शहर), रायपुर शहर, सरगुजा, बालोद,महासमुंद,,खैरागढ़ और धमतरी के जिला अध्यक्ष अपने साथियों सहित बड़ी संख्या में शामिल हुए ।

सड़क निर्माण के औचक निरीक्षण में पहुंचे कलेक्टर, कटिंग करवाकर परखी गुणवत्ता

कवर्धा (विश्व परिवार)। जिले में चल रहे निर्माण कार्यों को समयसीमा के साथ गुणवत्ता में पूरे करने के निर्देश निर्माण एजेंसीज को दिए गए हैं। इसी कड़ी में कलेक्टर श्री गोपाल वर्मा आज पिपरिया से गांगपुर तक बन रहे सड़क के औचक जांच में पहुंचे। यहां उन्होंने न केवल निर्माण कार्य देखा बल्कि मौके पर सड़क की कटिंग करवा कर मटेरियल की क्वालिटी और मात्रा की जांच भी करवाई। यह सड़क लोक निर्माण विभाग द्वारा बनवाई जा रही है। कार्यपालन अभियंता ने बताया कि सड़क निर्माण में अभी डामर की लेयर बिछाई गई है। जिसके बाद कॉम्पैक्शन किया जाना है। कलेक्टर ने ठेकेदार और इंजीनियर से कहा कि सड़क निर्माण का काम गुणवत्ता और तय मापदंड के अनुसार होना चाहिए। निर्माण कार्य में निर्धारित मात्रा में मटेरियल का उपयोग अनिवार्य रूप से होना चाहिए। विभागीय इंजीनियर को नियमित रूप से इसकी मॉनिटरिंग करने के निर्देश देते हुए कहा कि

लापरवाही पर ठेकदार के साथ विभागीय अधिकारियों पर कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सड़क के बीच और शोल्डर के पास सैंपल कटिंग करवाकर डामर की मोटाई नपवाई। इसके साथ ही सैंपल में बिटुमिन कंटेंट की जांच के निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान एसडीएम श्री चेतन साहू, डिप्टी कलेक्टर श्री आर बी देवांगन, ईई पीडब्ल्यूडी श्री रंजीत घाटगे सहित विभागीय अधिकारी मौजूद रहे। पिपरिया नगर पंचायत में सामुदायिक भवन में फर्स्ट फ्लोर में निर्माण कार्य चल रहा है। कलेक्टर श्री गोपाल वर्मा ने इसका भी निरीक्षण किया। उन्होंने स्वीकृत और अब तक पूर्ण हो चुके कार्य के बारे में सीएमओ से विस्तार से जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखते हुए निर्माण कार्य पूरा करवाने के निर्देश दिए।

कीर्तिमान **मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दी बधाई**

बाल हितैषी पंचायत में कछिया ने प्रदेश में बनाया कीर्तिमान

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा पंचायतों को सशक्त बनाने की दिशा में किए जा रहे सतत प्रयासों का सकारात्मक परिणाम अब राज्य स्तर पर स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से संचालित पहलों के बीच जिला बलरामपुर-रामानुजगंज के जनपद पंचायत वाड्रफनगर अंतर्गत ग्राम पंचायत कछिया ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए पूरे प्रदेश में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। ग्राम पंचायत कछिया ने सतत विकास लक्ष्यों के स्थानीयकरण के तहत पीएआई 2.0 सर्वे के 9 थीम में से थीम-3 (बाल हितैषी पंचायत) में 95.71 अंक प्राप्त कर प्रदेश में प्रथम

स्थान हासिल किया है। यह उपलब्धि न केवल जिले बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का विषय बन गई है। इस उपलब्धि पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय, उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा तथा जिले की प्रभारी मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने ग्राम पंचायत कछिया के जनप्रतिनिधियों, पंचायत अमले और ग्रामीणों को बधाई देते हुए इसे राज्य के अन्य पंचायतों के लिए प्रेरणादायक बताया है। उन्होंने कहा कि यह सफलता सबका साथ, सबका विकास की भावना और जनभागीदारी आधारित विकास मॉडल का उत्कृष्ट उदाहरण है। ग्राम पंचायत कछिया ने बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता और सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए एक समग्र बाल हितैषी वातावरण विकसित किया है। पंचायत के प्राथमिक एवं मिडिल स्कूलों में कुल 155 बच्चे अध्ययनरत हैं, जिनमें बालिकाओं की संख्या उल्लेखनीय है। पंचायत द्वारा बच्चों के अधिकारों की रक्षा, विद्यालयों में उपस्थिति बढ़ाने, स्वच्छता सुधार, पोषण और सुरक्षा के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। पंचायत प्रतिनिधियों द्वारा विद्यालयों का नियमित निरीक्षण, स्कूल प्रबंधन समिति के साथ समन्वय, स्वच्छता अभियान, सुरक्षित पेयजल व्यवस्था, स्वास्थ्य जागरूकता, तथा ग्रामसभा में बच्चों से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता देना इस सफलता के प्रमुख आधार रहे हैं। आंगनबाड़ी केंद्रों के साथ समन्वय कर एनीमिया मुक्त पंचायत, शत-प्रतिशत टीकाकरण और मातृ-पोषण पर विशेष ध्यान दिया गया है। प्रारंभिक चरण में पलायन, आर्थिक स्थिति और जागरूकता की कमी के कारण बच्चों की शिक्षा प्रभावित हो रही थी। पंचायत ने घर-घर संपर्क, अभिभावक संवाद, नियमित समीक्षा बैठकें और सामुदायिक जागरूकता के माध्यम से इन चुनौतियों को दूर किया। ग्राम पंचायत ने बाल हितैषी गतिविधियों को स्थायी रूप देने के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार की है, जिसमें शत-प्रतिशत नामांकन, शून्य ड्रॉपआउट, नियमित मॉनिटरिंग, स्वच्छता अभियान और बाल सुरक्षा सुनिश्चित करना शामिल है।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354